हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 106 | देहरादून, सोमवार, 16 अक्टूबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

उत्तराखण्ड का प्रसिद्ध सिद्धपीठ श्री कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेला हुआ शुरू 4

धामी बने उत्तराखंड के पहले सीएम जिन्होंने कॉर्बेट पार्क में एक नया इतिहास रचा

जिम कॉर्बेट में मुख्यमंत्री ने टाइगर सेफ्टी पर बताया अपना विजन

देहरादून , 16 अक्टूबर , पुष्कर सिंह धामी पहले ऐसे मुख्यमंत्री है जिन्होंने कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में सुरक्षा कर्मियों के साथ टाइगर सेफ्टी पेट्रोलिंग की, उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड, टाइगर की आबादी में देश में तीसरे स्थान पर है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अंशुल सक्सेना से कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में बातचीत करते हुए सीएम धामी ने कहा कि उत्तराखंड के सभी तेरह जिलों में टाइगर इसलिए भी है क्योंकि यहां हर चोटी पर शक्ति मां के मंदिर है और टाइगर शक्ति की सवारी भी हैं। सीएम धामी ने कहा कि उत्तराखंड में 5 सौ से अधिक टाइगर्स है। जो करीब दो लाख लोगो को प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार दे रहा है जिससे लगभग बीस हजार करोड़ का कारोबार चल रहा है। सीएम धामी ने कहा कि पोचर्स करने वालो के खिलाफ रासुका,गैंगस्टर लगाई जाएगी

जिम कॉर्बेट पार्क मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड के टाइगर टूरिज्म के जरिए सेव टाइगर का संदेश देते हुए, विश्व विख्यात जिम कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में सुरक्षा गश्त कर्मियों के साथ पैदल गश्त की और उनका हौंसला बढ़ाया। श्री धामी देश में पहले ऐसे मुख्यमंत्री है जो अपने टाइगर रिजर्व सुरक्षा संरक्षण के लिए चिंता करते नजर आए। सोशल मीडिया महारथी **अंशुल सक्सेना** से बातचीत करते हुए सीएम धामी ने टाइगर संरक्षण और सुरक्षा पर अपनी बेबाक राय रखी। आपको बता दें की अंशुल सक्सेना के ट्वीटर पर 11 लाख से ज्यादा,3लाख से अधिक इंस्टाग्राम में, फेसबुक में 7 लाख से अधिक फॉल्वर्स है।)

सीएम धामी ने सोशल मीडिया महारथी/इन्फ्लुएंसर अंशुल सक्सेना से साझा किया मिशन टाइगर सेफ्टी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

■ ***उत्तराखंड को टाइगर्स की नर्सरी बोला जाता है आज इस घर की रखवाली करते हम, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी को देख रहे है, सीएम अक्सर टाइगर देखने जंगल आते है पर मैनें टाइगर्स की रखवाली करते, उनके लिए चिंता करते, उनकी सुरक्षा के लिए गश्त करते, किसी सीएम को नहीं देखा ?***

सीएम पुष्कर सिंह धामी - देखिए देश में टाइगर्स की संख्या के मामले में उत्तराखंड तीसरे स्थान पर है यहां 540 से ज्यादा टाइगर है,इनकी सुरक्षा और संरक्षण की पहली जिम्मेदारी मेरी है क्योंकि मैं इस टाइगर स्टेट का पहला सेवक हूं पहला रखवाला हूं। मेरे सैकड़ो फॉरेस्ट के सुरक्षा कर्मी टाइगर सेफ्टी के लिए दिन रात पहरा देते है कि पोचर कोई शिकारी यहां जंगलों में न घुस पाए ,मेरा दायित्व बनता है कि मैं उनका हौंसला बढ़ाता रहूं।

■ ***उत्तराखंड में इतने टाइगर कैसे हो गए ? और अब तो ये टाइगर रिजर्व से बाहर के जंगलों में भी दिखाई दे रहे है ?***

सीएम पुष्कर सिंह धामी - देखिए उत्तराखंड देवभूमि है देवी देवताओं की भूमि है, अब आप कहेंगे कि आपने इसे धार्मिक स्वरूप दे दियालेकिन हकीकत है ये कि उत्तराखंड देश का पहला ऐसा राज्य है जिसके सभी 13 जिलों में टाइगर की मौजूदगी सीसीटीवी कैमरों में साक्ष्य के रूप में कैद हो रही है हमारे पहाड़ो में शक्ति स्थल है मां पूर्णागिरी मां गर्जिया मां चंडी महाकाली ,मां जयंती, मां बाराही देवी आदि भवानी मां के स्वरूप है और इन सभी शक्ति स्थलो के आसपास आपको शक्ति की सवारी टाइगर की मौजूदगी मिल जाएगी और ये बात आपको अविश्वसनीय लगे लेकिन जो लोग मां दुर्गा के उपासक है इन शक्ति स्थलो पर विश्वास करते है उनके मुंह से आपको जवाब मिल जाएगा कि टाइगर कहां कहां है और अब तो एनटीसीए के पास भी इसके साक्ष्य है, ये कोई हमारा फैलाया हुआ नेरेटिव नही है ये आस्था और विश्वास की बात है।

■ ***उत्तराखंड में दो टाइगर रिजर्व है कॉर्बेट और राजा जी पार्क आसपास के जंगलों में भी टाइगर अब दिखाई दे रहे है और ये दायरा लगातार कैसे बढ़ रहा है ?***

सीएम पुष्कर सिंह धामी - देखिए टाइगर की अपनी अपनी टेरेटरी होती है अपने अपने इलाके होते है, जवान टाइगर, बूढ़े टाइगर को अपने इलाके से दूर धकेलता है अब बूढ़ा बाघ कहीं तो जाएगा इस लिए वो टाइगर रिजर्व से बाहर के जंगलों में आ रहे है। कॉर्बेट पार्क से सटे हुए वेस्टर्न सर्कल में ही 216 टाइगर हो गए है। एक और बड़ी वजह आज मैं आपको बताता हूं वो ये कि हमने जंगल का दायरा बढ़ाना शुरू किया है पहले जंगलों में लीज पर खेती होती थी खेती की आड़ में शिकार होते थे, हमारी सरकार ने इस खेती को बन्द करवा दिया, नतीजा ये हुआ कि वहां फिर से घना जंगल बनने लगा, हमने टाइगर रिजर्व के भीतर रहने वाली

वन गुजर को आबादी को बाहर किया उन्हे जंगल से बाहर उनके रहने का इंतजाम किया, उससे भी टाइगर को प्रोटेक्शन मिला। जो टूरिस्ट कोर जोन के जंगल है वहां बरसातो में बंद किए जाते है इससे भी टाइगर की संख्या बढ़ने लगी है।

■ ***बाघों की सुरक्षा के लिए टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स कर्नाटक ने बना दी आप क्यों पीछे रह गए ?***

सीएम पुष्कर सिंह धामी - देखिए जंगल के राजा टाइगर को सुरक्षा देनी है तो पैदल गश्त जरूरी है हमारे ये फॉरेस्ट के सिपाही औसतन रोजाना करीब एक हजार किमी की गश्त करते है ये कोई मामूली बात नही है आप इनके जीपीएस सिस्टम को चेक कर सकते है हाथी भी गश्त पर निकलते है हाथी महावत उन टाइगर्स की निगरानी करते है जिन्होंने शावक दिए है। हमारे सुरक्षा से जुड़े जो लोग है वो हाथी से जीपों से, पैदल भी निगरानी करते है। आप देखिए टाइगर की सुरक्षा में सैकड़ो सीसीटीवी कैमरे लगे हुए है। इसके बावजूद हमने ये तय किया है कि हम टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स भी बनाएंगे इस बारे में एनटीसीए और हमारे वाइल्ड लाइफ वार्डन की बातचीत भी चल रही है ।हम इसे जरूर बनाएंगे।

■ ***पोचिंग को लेकर उत्तराखंड सरकार कितनी गंभीर है। ऐसी खबरे भी आई है कि टाइगर्स के शिकार उत्तराखंड में हुए है और उनकी स्किन ,बॉडी पार्ट्स नेपाल के रास्ते चीन की मार्किट में बिकते है ? पिछले दिनों टाइगर की खाल हाथी दांत भी अपराधियो से मिले है।***

सीएम पुष्कर सिंह धामी- ये विषय मेरे संज्ञान में आया है कुछ इनपुट्स मिले है, मैने चीफ वार्डन वाइल्डलाइफ से कहा है कि जो खाले पकड़ी गई है उसके बारे में जांच पड़ताल की जाए कि ये कहां के टाइगर थे क्योंकि हमारे पास तो सभी के डाटा रिकार्ड्स है, वो इस बारे में पड़ताल कर रहे है, यदि वो टाइगर हमारे जंगलों के है तो यकीन जानिए दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा हम पोचिंग करने वालो पर, इसका धंधा करने वालो पर गैंगस्टर, एनएसए जैसे सख्त कानून लगाने में भी संकोच नहीं करेंगे साथ ही हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर काम कर रहें है। पिछले दिनों देश के गृह मंत्री जी जब आए थे तो मैंने उनसे वन कर्मियों को सशस्त्र ट्रेनिंग दिए जाने का भी सुझाव दिया क्योंकि समय के साथ साथ हमें जंगल की सुरक्षा करने के लिए अपग्रेड होना जरूरी है।

■ ***बाघों के साथ मानव संघर्ष को रोकने के लिए क्या कदम उठाये जा रहें है ?***

सीएम पुष्कर सिंह धामी - देखिए हमारे फॉर्सेटर्स टाइगर को लेकर जन जागरण अभियान चलाते रहे है इसमें लोगो को टाइगर के नेचर के बारे में बताया जाता है कि वो कब और क्यों इंसानों पर हमला करता है हम टाइगर रिजर्व और गांव की सीमा के बीच तारबाड़ लगा रहे है। ताकि टाइगर के घर में इंसान न जाए। हमारे कॉर्बेट डायरेक्टर इस पर अच्छा काम कर रहे है। टाइगर टेरेटरी के पास के गांवों में अंधेरा होगा तो टाइगर आयेगा इसलिए हम सोलर लाइट्स लगवा रहे है,पीएम मोदी के विजन परहमने वहां शौचालय बनवाए है, गैस कनेक्शन दिए है ताकि महिलाओ को जंगल की तरफ न जाना पड़े. कुछ एनजीओ भी हमारे साथ जुड़े हुए हैऐसे कई विषय है जोकि इंसान और टाइगर के बीच संघर्ष को रोकने का काम करते है।

■ **टाइगर रिजर्व में जंगलों में धार्मिक अतिक्रमण भी देखने को मिल रहा है इस पर पुष्कर धामी की कदमों की चर्चा भी है ?**

सीएम पुष्कर सिंह धामी - देखिए हमारे जंगलों में पर्यटक यहां टाइगर देखने आते है हमने ऐसे अतिक्रमण हटा दिए जो जमीन जिहाद के नाम पर कब्जे कर रहे थे। इस देवभूमि के जंगलों से ही ऐसे 501 अवैध अतिक्रमण धार्मिक चिन्ह हटायें गए है। हमारे जंगल सुरक्षित होंगे

■ ***टाइगर टूरिज्म को कितना प्रोत्साहन सरकार दे रही है ?***

सीएम पुष्कर सिंह धामी - उत्तराखंड देखिए आपको जानकर हैरानी होगी हमारे 5 सौ से ज्यादा टाइगर्स ने करीब 2 लाख लोगो को होटल में,गाइड्स की सेवा में जीप में, राशन पानी में, परिवहन में आदि न जाने कितने क्षेत्रों में रोजगार दिया हुआ है, हमारी मंशा है कि हम टाइगर टूरिज्म को और फैलाए इसके लिए रामनगर फॉरेस्ट डिविजन में एक गेट और पर्यटकों के लिए खोला जा रहा है। हमारी टाइगर जू बनाए जाने की योजना है। हम राजा जी टाइगर रिजर्व में टाइगर्स का कुनबा बढ़ा रहे है। हम टाइगर्स के इलाज के लिए हॉस्पिटल बनाने जा रहे है। ऐसे कई विषय है जिस पर हमने विचार किया है। मैंने वन विभाग को वाइल्ड लाइफ टीम को स्पष्ट कह दिया है कि भी जंगल के जरिए रोजगार पैदा करे और टाइगर टूरिज्म इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

इस गांव के लोग मंदिर में ही करते हैं शादी 350 साल से चली आ रही है परंपरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 16 अक्टूबर : शादी को लेकर हर गांव और शहर में अलग-अलग रीति रिवाज निभाए जाते हैं. राजस्थान में भी एक ऐसा ही गांव है जहां मंदिर में शादी करने की परंपरा है. ऐसा कहा जाता है कि अगर कोई इस परंपरा का पालन नहीं करता तो उसके घर में बच्चे का जन्म नहीं होता. इस गांव में ये परंपरा पिछले 350 साल से निभाई जा रही है. दरअसल, राजस्थान के बाड़मेर में आटी नाम का एक गांव है. जहां ये परंपरा निभाई जाती है. इस गांव में जब भी किसी की शादी होती है तो वह घर पर नहीं बल्कि गांव के मंदिर में होती हैं.

पश्चिमी राजस्थान के इस गांव में चामुंडा माता का मंदिर है. इसी मंदिर में सभी को सात फेरे लेने पड़ते हैं. ऐसा कहा जाता है कि अगर कोई इस मंदिर में सात फेरे यानी शादी नहीं करता उस दंपति के बच्चे नहीं होते. ऐसा कहा जाता है कि अगर मंदिर में शादी नहीं हुई तो बहू या बेटी कभी गर्भधारण नहीं कर पाएंगी. इसलिए आज भी गांव के बेटे-बेटियों की शादी गांव के चामुंडा माता के मंदिर में होती है.ऐसा कहा जाता है कि चामुंडा माता के मंदिर में ही शादी की शहनाई बजती है और दूल्हा वहीं तोरण भी लेता है. इस दौरान शादी के सात फेरों की पूरी रस्म वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूरी की जाती है. बेटियों के सात फेरों के अलावा गांव में पहला कदम रखने वाली नई दुल्हन को भी पहले मंदिर में रखा जाता है, जिसके बाद वह ही वह अपने नए घर में प्रवेश करती है. मंदिर समिति के अध्यक्ष का कहना है कि ऐसा नहीं है कि मंदिर में सिर्फ बेटियों की ही शादी होती है.

इस मंदिर में पुत्रों का विवाह संस्कार कराया जाता है. बारात के आगमन पर नवविवाहित दुल्हन को भी मंदिर में ठहराया जाता है. उसके बाद रात्रि जागरण और अगली सुबह पूजा के बाद ही दुल्हन को घर में प्रवेश कराया जाता है. यह भी माना जाता है कि अगर इस मंदिर में किसी लड़की की शादी नहीं की गई तो उसकी कोख सूनी रह जाती है और वह कभी मां नहीं बन पाती.

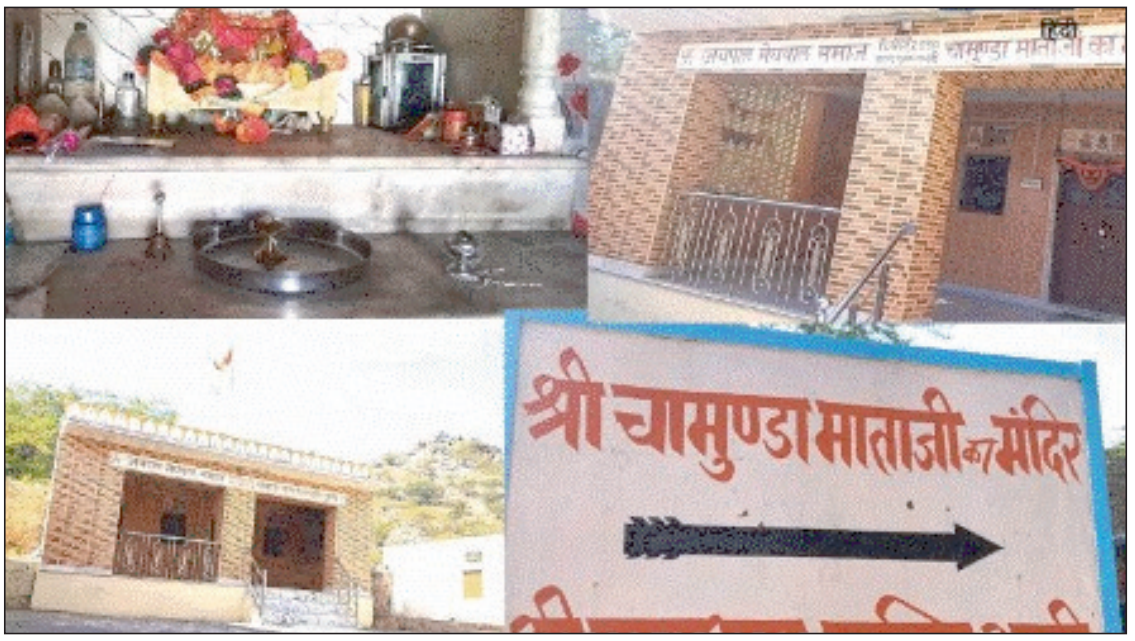

डियालीसेरा बुग्याल, परियां जहां करती है खेती

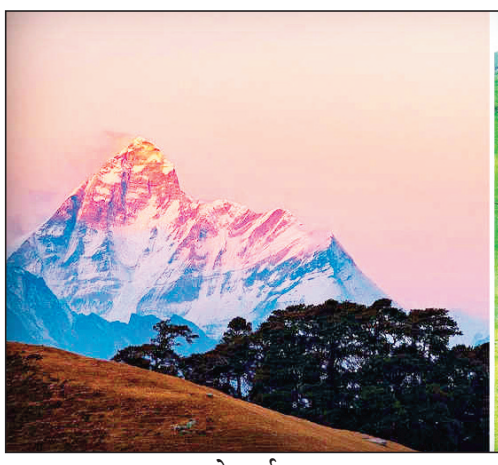

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 16 अक्टूबर , देवभूमि उत्तराखंड अद्भुत नज़ारों , देवस्थलों , मान्यताओं और रहस्यों से भरी जगहों की वजह से बेहद मशहूर है। पहाड़ों में आपको जहां कई अनसुलझे, अनगिनत किस्से सुनाई और दिखाई देंगे,वहीँ मान्यताओं की भी बेहिसाब कहानियां मिल जाएंगी । उन्हीं में से एक है खूबसूरत डियालीसेरा बुग्याल, जहां से जुडी है परियों की कहानी .... जहाँ परियां करती है धान की खेती और कटाई

उत्तराखंड के चमोली जिले में जोशीमठ की तपोवन घाटी से 17 किलोमीटर दूर (गाड़ी से) सफर कर करछौं गांव तक पहुंचा जाता है, जहां से 8 किमी की पैदल दूरी पर प्राकृतिक सुंदरता के खजाने से भरपूर डियालीसेरा बुग्याल स्थित है. यहां निजमुला घाटी, विकासनगर घाट और औली के गोरसों बुग्याल होते हुए भी पहुंचा जा सकता है. यह क्षेत्र लगभग 4 से 5 हजार मीटर की ऊंचाई पर हिमालय में मौजूद है, जो अपने आप में सबकी उत्सुकता बढ़ा देता है. वहीं साहसिक पर्यटन और पहाड़ के शौकीनों के लिए बुग्याल रोमांचित करने वाला है. हालांकि यह क्षेत्र आज भी देश दुनिया के लोगों की नजरों से कोसों दूर है और यहां ट्रेकिंग के शौकीन लेकिन गिने-चुने लोग ही यहां आते हैं.

यह है धार्मिक मान्यता

वैसे तो पहाड़ों में बुग्यालों को वन परियों, जिसे स्थानीय बोली भाषा में 'ऐड़ी आंछरी' कहा जाता है, का निवास स्थान और नृत्य स्थल माना जाता है. स्थानीय लोगों का मत है कि वन परियों द्वारा डियालीसेरा में धान की रोपाई के समय रोपाई की जाती है और जब धान की फसल की कटाई होती है, तो उस समय यहां उगे धान को वन परियां काटती हैं. डियालीसेरा के धान के शेरों से यह अवधारणा प्रचलित है कि जिस साल डियालीसेरा में धान पर बालियां नहीं आती हैं, उस समय क्षेत्र में धान की अच्छी फसल नहीं होती है. डियालीसेरा में जैसे पारंपरिक या मूलतः शेरों की कुल या गूल होती है, वह भी किसी सुंदरता से कम नहीं है.

यह कहते हैं स्थानीय ट्रेकर्स

स्थानीय ट्रेकिंग के व्यवसाय से जुड़े लोग बताते हैं कि डियालीसेरा ट्रैक साहसिक ट्रैकिंग के शौकीनों के लिए बेहद माकूल स्पॉट है, लेकिन सही प्रचार प्रसार न होने से प्रकृति का ये खजाना दुनिया की पहुँच से दूर है. साथ ही वह बताते हैं कि क्षेत्र पर्यटन के लिए बेहद खास है लेकिन बावजूद इसके पर्यटन विभाग का भी इस ओर ध्यान नहीं है. वह कहते हैं कि जब भविष्य में यह क्षेत्र ट्रेकिंग स्पॉट के रूप में विकसित होगा, तो इससे स्थानीय लोगों आजीविका मिलने के साथ साथ पलायन भी रुकेगा.देखना है कि सरकार की नज़र ए इनायत यहाँ कब होगी।

5 संकेत, जो बताते हैं गुड गर्ल सिंड्रोम से पीड़ित हैं आप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 अक्टूबर , आज की आधुनिक दुनिया में भी लड़की होना आसान नहीं है। आज भी लोगों के मन में एक लड़की को लेकर अलग विचार और भावनाएं हैं। वे मानते हैं कि एक लड़की सुंदर तो हो, लेकिन घटिया नहीं। पारंपरिक रूप से लड़की आकर्षित होनी चाहिए , लेकिन बुनियादी नहीं। लोग कहते हैं कि होशियार बनो, लेकिन दिखावा मत करो, महत्वकांक्षी बनो, लेकिन परिवार को पहले रखो, चुप रहो, आज्ञाकारी बनो , सदाचारी बनो और न जाने उन्होंने एक लड़की के लिए क्या-क्या लिमिट तय कर रखी हैं। वे दूसरों की अपेक्षाओं को पूरा करते करते अपने आप को कब बदलती चली जाती हैं, पता नहीं चलता। इसे कहते हैं गुड गर्ल सिंड्रोम

प्यार पाने के लिए अच्छा बनना

क्या आप एक ऐसी लड़की हैं, जो सभी का ध्यान और प्यार पाने के लिए हमेशा अच्छे बने रहना चाहती हैं। अगर हां, तो यह गुड गर्ल सिंड्रोम की निशानी है। देखा जाए, तो यह एक गलत धारणा है क्योंकि हम मिलने वाले हर व्यक्ति को खुश नहीं कर सकते, चाहे हम कितनी भी कोशिश क्यों ना कर लें। आपकी यह सोच इस अवधारणा को भी दर्शाती है कि आप में कोई कमी है, इसलिए प्यार पाने के लिए, आप सबको ,खुश रखना चाहते हैं।

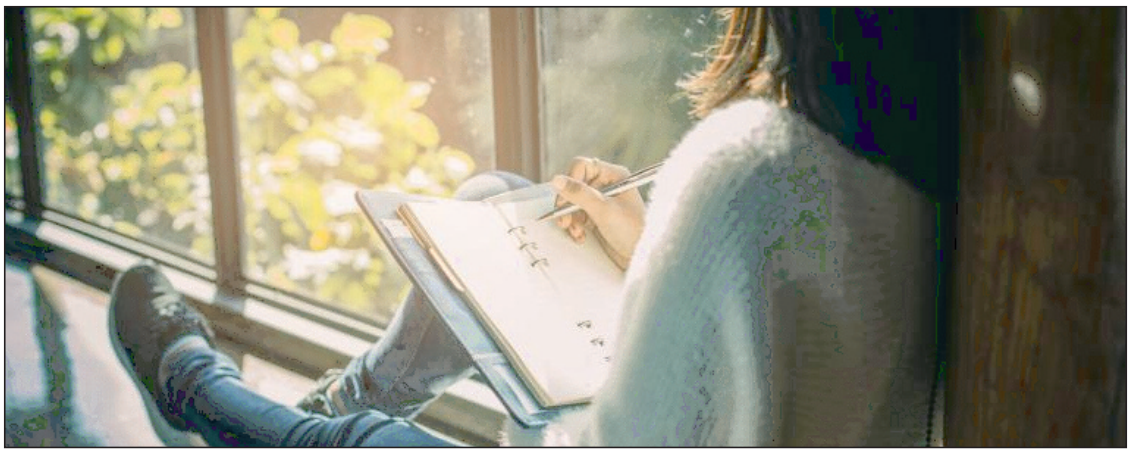

खुद को संस्कारी बने रहने के लिए मजबूर करना

लड़कियों को शुरू से सिखाया जाता है कि उन्हें हमेशा एक संस्कारी लड़की बनकर रहना चाहिए। उन्हें चुप रहना चाहिए, उन्हें दूसरों से अलग दिखने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, जितना कहा जाए उतना ही करना है और किसी भी मामले में सवाल तो बिल्कुल नहीं करना है। अगर आप भी दूसरों के निर्देशों पर चलने वाली और यथार्थवादी हैं, तो आप गुड गर्ल सिंड्रोम से जूझ रही हैं। इससे आपकी रचनात्मकता सीमित हो जाती है और आप मूर्ख कहलाती हैं।

ना नहीं कहनाअपने लिए हाई स्टैंडर्ड तय करना

ना कहना हमेशा से अच्छा नहीं माना जाता। लेकिन सबके सामने अच्छी लड़की की छवि बनाए रखने के लिए यह और भी जरूरी है। अगर आप भी दूसरों की भावनाओं को ठेस न पहुंचाने के लिए उन्हें ना नहीं कह पातीं, तो आपको गुड गर्ल सिंड्रोम है। यह लड़कियों को अक्सर मनोवैज्ञानिक रूप से टॉक्सिक, अपमानजनक, अनहेल्दी रिलेशनशिप के प्रति संवेदनशील बनाता है।गुड गर्ल सिंड्रोम वाली लड़कियां खुद पर अच्छा बनने के लिए बहुत ज्यादा दबाव डालती हैं। उन्हें बचपन से ही सिखाया जाता है कि उन्हें परफेक्ट दिखना है और नकारात्मक प्रतिक्रिया से बचे रहना है।

गुड गर्ल सिंड्रोम से कैसे उभरें

हमेशा खुद से पहले दूसरों के बारे में सोचना गुड गर्ल सिंड्रोम का संकेत है। जो लड़कियां दूसरे व्यक्ति के लिए त्याग देना पसंद करती हैं, उन्हें गुड गर्ल सिंड्रोम की कैटेगरी में रखा जाता है। किसी न किसी रूप में, गुड गर्ल सिंड्रोम वाले लोग दूसरों की ज़रूरतों को अपनी ज़रूरतों से ऊपर रखते हैं। लेकिन खुद को स्थापित करने के लिए उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ता है। समाज क्या कहेगा, यह न सोचें ,किसी पर भावनात्मक रूप से निर्भर न रहें , लिमिट सेट करना सीखें , लोग आपसे प्यार करें, इससे पहले आप खुद से प्यार करना सीखें , अपनी मन की सुनें, दूसरों की नहीं।

देश ने डिजिटलाईजेशन के क्षेत्र में तेजी से प्रगति की : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 16 अक्टूबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दून बिजनेस पार्क, ट्रांसपोर्ट नगर, देहरादून में हेक्सावेयर टेक्नोलॉजी के स्थानीय कार्यालय का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि जिस उद्देश्य को लेकर इस कार्यालय का शुभारंभ किया गया है, उस उद्देश्य में हेक्सावेयर टेक्नोलॉजी अवश्य सफल होगी। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में देश तेजी से प्रगति कर रहा है। यह क्षेत्र सशक्तिकरण का माध्यम बन रहा है और लोगों को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नया भारत, टेक्नोलॉजी का न सिर्फ कंज्यूमर है, बल्कि टेक्नोलॉजी के विकास में और उसके क्रियान्वयन में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। 2जी, 3जी, 4जी के समय भारत टेक्नोलॉजी के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहा, लेकिन 5जी के साथ ही भारत ने नया इतिहास रच दिया है। 5जी के साथ भारत पहली बार टेलीकॉम टेक्नोलॉजी में ग्लोबल स्टेंडर्ड तय कर रहा है। भारत में डिजिटलाईजेशन तेजी से हो रहा है। डिजिटल भारत देश के विकास के विस्तृत विजन का एक महत्वपूर्ण अंग है। इस विजन का लक्ष्य है उस टेक्नोलॉजी को आम लोगों तक पहुंचाना जो लोगों के लिए काम करे, लोगों के साथ जुड़कर काम करे। आज हमारे छोटे व्यापारी, छोटे उद्यमी, कारीगर सबको डिजिटल भारत ने एक मंच प्रदान किया है, एक बाजार उपलब्ध कराया है। बाजर में, मंडियों में रेहड़ी-पटरी में कार्य कर रहे लोग, सब यूपीआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। टेक्नोलॉजी की ताकत कैसे सामान्य लोगों का जीवन में बदलाव ला रही है, यह नजर आ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने डिजिटलाईजेशन के क्षेत्र में तेजी से प्रगति की है। कुछ वर्षों में यूपीआई तेजी से हमारी अर्थव्यवस्था और आदतों का हिस्सा बन गया है। यह डिजिटल भारत की नींव है, यह अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक डिजिटल सेवाएं पहुंचाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि राज्य में टेक्नोलॉजी के साथ व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि हेक्सावेयर टेक्नोलॉजी का यह कार्यालय आईटी सेवाओं के विस्तार में मील का पत्थर साबित होगा।

इस अवसर पर विधायक विनोद चमोली, सचिव शैलेश बगोली, निदेशक आईटीडीए निकिता खंडेलवाल, हेक्सावेयर टेक्नोलॉजी के एजीक्यूटिव वाईस प्रेजिडेंट हेमंत विज, श्री सतेन्दयु मोहंती, नीता नम्बिआर उपस्थित थे।

अग्रवाल महासभा ने मनाया महाराजा अग्रसेन जी की 5147 वी जयंती महोत्सव

न्यूज वायरस नेटवर्क

देहरादून, 15 अक्टूबर 2023 को उत्तरांचल प्रदेश अग्रवाल महासभा महानगर द्वारा महाराजा अग्रसेन जी की 5147 वी जयंती महोत्सव भव्य रूप से चौधरी फार्म हाउस जीएमएस रोड पर मनाई गई। सर्वप्रथम अग्रवाल महासभा की महिला प्रकोष्ठ द्वारा गणेश वंदना व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई। साथ ही महिला एवं पुरुष वर्ग द्वारा डांडिया स्टिक को हाथ में लेकर आकर्षक डांस भी किया गया।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता निरंजन पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि जी महाराज द्वारा समरसता सद्कार्यों दानशीलता पर अग्रवाल समाज को आपके द्वारा बधाई दी गई एवं समाज में अग्रवाल महासभा द्वारा सेवाएं करने के लिए अपना आशीर्वाद भी दिया।

उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री श्री प्रेमचंद अग्रवाल जी के द्वारा कहा गया कि अग्रवाल बन्धु समाज की हित में अनेक कार्य करते आ रहे हैं साथ ही प्रेमचंद अग्रवाल ने सभी उपस्थित अग्रवाल समाज के प्रतिनिधियों से कहा कि महाराजा अग्रसेन जी के द्वारा स्थापित किए गए सिद्धांतों पर हम सभी को चलना चाहिए।महापौर सुनील उनियाल गामा जी एवं कैंट विधायक समिति सविता कपूर द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती पर समाज को बधाई देते हुए

अग्रवाल समाज द्वारा के कार्यों की सराहना की। भाजपा महानगर के अध्यक्ष एवं अग्रवाल महासभा प्रदेश महामंत्री सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल जी के द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया अग्रवाल समाज की एकजुटता बढ़ने पर बल दिया एवं सभी को महाराजा अग्रसेन जी की जयंती पर शुभकामनाएं दी गई।प्रदेश अध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजक अनिल गोयल जी ने संस्था द्वारा किए गए कार्यों के विषय में बताया ।कार्यक्रम में लकी ड्रॉ द्वारा प्रथम पुरस्कार के रूप में स्कूटी द्वितीय पुरस्कार के रूप में एलईडी टीवी तृतीय पुरस्कार के रूप में साइकिल व अन्य कई आकर्षक पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कार वितरण किए गए।कार्यक्रम में अनिल गुप्ता मुकेश गोयल आदेश मंगल अमित गुप्ता इंद्रेश गोयल अजय सिंघल रतनलाल जिंदल शोभित जिंदल विनय कुमार उदित जैन अमित गर्ग कुलदीप गर्ग पवन गुप्ता मधु गोपाल सिंघल श्रीमती अमिता गर्ग वंदना अग्रवाल सुमन नागलिया रीना गोयल विवेक अग्रवाल आशीष गुप्ता आदि सैकड़ो की संख्या में अग्रवाल बंधु उपस्थित रहें।

डीएम सोनिक ने ली जिला गंगा सुरक्षा समिति की बैठक

देहरादून। ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में जिला गंगा सुरक्षा समिति की बैठक जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका की अध्यक्षता में आहूत हुई। जिलाधिकारी ने गंगा सुरक्षा अन्तर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्यदायी एजेंसी एवं रेखीय विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए दिए। जिलाधिकारी ने नगर निगम के अधिकारियों को त्रिवेणीघाट की सफाई करवाने तथा आसपास का अतिक्रमण चिन्हित कर हटाने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम को निर्देश दिए कि त्रिवेणीघाट पर बरसात में आई रेत को सम्बन्धित विभाग से समन्वय कर हटाने की कार्यवाही करते हुए कृत कार्यवाही से अवगत कराएं। ऋषिकेश स्थित स्मृतिवन के प्रसार का कार्य तथा 26 एमएलडी एसटीपी के निकट खाली पड़े तालाबों पर साहसिक पर्यटन बर्ड वाचिंग के सुझाव के क्रियान्वयन में पर्यटन विभाग द्वारा किये जाने वाले कार्य लम्बित रहने पर नाराजगी जाहिर करते हुए जिला पर्यटन अधिकारी को संज्ञान लेते हुए निराकरण के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने खडक़ माफ ग्राम सभा में गंगा नदी की ओर से वन्यजीवों की आमद लगातार बढने की शिकायत पर वन विभाग को समस्या का संज्ञान लेते हुए निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण अनुरक्षण ईकाई (गंगा) के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि संजय झील के कार्यों को इको-टूरिज्म से प्रस्तावित करें। जिलाधिकारी ने नगर निगम को 72 सीढी पर सुधारीकरण कार्य करने तथा सफाई व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए।

पर्यावरणविद श्री जुगरान ने जिलाधिकारी के संज्ञान में लाया कि वर्षाकाल के कारण ऋषिकेश लालपानी वनबीट स्थित स्मृतिवन में भारी नुकसान हुआ है। वनक्षेत्र में प्राकृतिक रूप से जलस्रोत बन गए हैं। जल निकासी की समुचित सुविधा नहीं होने से पौधरोपण को भी नुकसान हुआ है। दुधुपानी विस्थापित क्षेत्र में जलभराव को रोकने के लिए जो ह्यूम पाइप उखाड़े गए हैं उन्हें पुनः स्थापित कर पौधरोपण के लिए आने वालों की सुविधा हेतु अस्थाई पुलिया के निर्माण करवाने तथा स्मृतिवन स्थित शौचालय में दिव्यांगजनों की सुविधा हेतु रैंप का निर्माण किया जाने तथा वर्षाकाल में अवरुद्धमार्ग एवं कम्पोस्ट पिट का कार्य भी बन्द होने की जानकारी देते हुए संज्ञान लेने का अनुरोध किया।

जिस पर जिलाधिकारी ने नगर निगम ऋषिकेश को ह्यूम पाईप पुनः स्थापित करवाने एवं स्मृतिवन के मुख्य द्वार तक संपर्क मार्ग की व्यवस्था करने के साथ ही वनविभाग को जल निकासी के साथ ही स्मृतिवन में पशुओं की रोकथाम को खाई खुदवाने के लिए निर्देशित किया गया।

बैठक में जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, पर्यावरण विद विनोद जुगरान, सदस्य सुदामा सिंगल, एडीबीओ आशीष बहुगुणा, प्रोजेक्ट मैनेजर एस के वर्मा, सहायक अभियन्ता उत्तराखण्ड जल संस्थान हरीश कुमार बंसल, एसएनए ऋषिकेश चन्द्रकान्त भट्ट, नगर निगम ऋषिकेश से गुरूमीत सिंह सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

इजरायल-हमास युद्धः ऑरपेशन अजय में फंसे भारतीय लौटे भारत, उत्तराखंड के भी हैं नागरिक

देहरादून। इस्राइल और हमास में जारी भीषण जंग के बीच भारत ने अपने नागरिकों की सुरक्षित वतन वापसी के लिए ऑपरेशन अजय शुरू किया है। लगभग 18, 000 भारतीयों के इस्राइल में होने की संभावना है। शुक्रवार सुबह उत्तराखंड के दो लोग भी विमान से सुरक्षित पहुंचे। । 'ऑपरेशन अजय'के तहत भारत सरकार द्वारा विशेष विमान से भारतीय नागरिकों को दिल्ली वापिस लाया गया। इसमें उत्तराखंड के दो नागरिक भी शामिल हैं। इजरायल से वापस देश लौटने वालों में आरती जोशी और आयुष मेहरा को सीएम पुष्कर सिंह के प्रतिनिधि द्वारा एयरपोर्ट पर रिसीव किया गया।

उनके सकुशल वापिस आने के बाद वह अपने परिवार के साथ देहरादून के लिए चले गये। दोनों ने सरकार को धन्यवाद कहा। स्थानिक आयुक्त उत्तराखंड सरकार द्वारा इजरायल से भारत वापिस लाये जा रहे उत्तराखंड के नागरिकों के लिए एयरपोर्ट पर रिसीव कर उत्तराखंड सदन दिल्ली में आने, खाने इत्यादि की व्यवस्था की गई।

सरकार की ओर से दोनों को उनके गंतव्य स्थान भेजने के लिए राज्य सडक़ परिवहन से व्यवस्था की गई है। लगभग 18, 000 भारतीयों के 'इजरासल' में होने की संभावना है। भारत सरकार 'ऑपरेशन अजय' में उन्हें अपने देश वापिस सुरक्षित ला रही है।

अधिक से अधिक लोगों को स्वरोजगार से जोडऩे का काम किया जायः आंकाक्षा कोंडे

अल्मोड़ा। स्वरोजगार अन्तर्गत बैंकों में लम्बित केन्द्र व राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं के ऋण हेतु आवेदन पत्रों की समीक्षा मुख्य विकास अधिकारी आंकाक्षा कोंडे ने विकास भवन सभागार में सभी बैंकों के अधिकारियों के साथ की। उन्होंने सभी बैंक अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं के जो लम्बित ऋण आवेदन स्वीकृति हेतु बैंकों के पास है उन्हें अक्टूबर माह तक पूर्ण कर लिया जाय। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने उद्योग विभाग, पर्यटन विभाग, उद्यान, एन.आर.एल.एम व नगरपालिका में संचालित योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि आपसी समन्वय स्थापित करते हुए प्राप्त लक्ष्यों को प्राप्त किया जाय। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक लोगों को स्वरोजगार से जोडऩे का काम किया जाय और इस कार्य में व्यक्तिगत रूचि ली जाय। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि स्वरोजगार हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों की जांच भली-भांति करने के उपरान्त ही बैंकों को हस्तान्तरित की जाय। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि आगामी नवम्बर माह में आजीविका महोत्सव 03 का आयोजन होना है इस लिये सभी बैंक व विभाग अपने लक्ष्यों को समय से पूर्ण कर लें।

उत्तराखण्ड का प्रसिद्ध सिद्धपीठ श्री कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेला हुआ शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

टिहरी गढ़वाल,15 अक्टूबर ।उत्तराखण्ड का प्रसिद्ध 47वां सिद्धपीठ श्री कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेले का हुआ शुभारंभ। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री एवं जनपद प्रभारी मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल द्वारा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग कर मेले का ध्वजारोहण कर मेले के शुभारम्भ की घोषणा की गई। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद नरेंद्रनगर राजेन्द्र विक्रम सिंह पंवार आदि अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि द्वारा विकास प्रर्दशनी का रिबन काटकर उद्घाटन किया गया तथा विभिन्न विभागों द्वारा स्थापित स्टालों का निरीक्षण कर जानकारी ली गई। इसके साथ ही मुख्य अतिथि एवं अन्य गण मन्यों द्वारा अमर शहीद श्री देव सुमन, भीमराव अंबेडकर, भारत रत्न स्व. पंडित गोविन्द बल्लभ पंत, स्व. श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा की मूर्तियों तथा नरेंद्रनगर के स्वतंत्र संग्राम के शहीद एवं सैनानी स्मारक पर मल्यार्पण किया गया।

रामलीला मैदान नरेंद्रनगर टिहरी गढ़वाल में आयोजित मेले में मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमन्यों द्वारा मंच पर दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस मौके पर उत्तराखंड पुलिस बैन्ड की मधुर धुन एवं अल्मोड़ा के सांस्कृतिक दलों के शानदार

छोलिया नृत्य के साथ झांकियों का प्रर्दशन शुरू किया गया। प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च स्तर के विभिन्न विद्यालयों के बच्चों द्वारा उत्तराखण्ड संस्कृति, वेषभूषा, महिला सशक्तिकरण, जी-20, मिशन चंद्रयान-3, निर्वाचन में महिलाओं की शत प्रतिशत मतदान भागीदारी(सखी पोलिंग बूथ), कौशल विकास, राम दरबार, श्री कृष्ण की गोवर्धन लीला, श्री अन्न मिलेट्स आदि विषयों पर शानदार प्रर्दशन किया गया।मेले में मुख्य अतिथि मा. वित्त, शहरी विकास, विधायी एवं संसदीय कार्य, जनगणना तथा पुर्नगठन मंत्री, उत्तराखण्ड सरकार/जनपद प्रभारी मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल द्वारा सभी को मेले की बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। उन्होंने कहा कि बहुत ही शुभ नवरात्र के अवसर सिद्धपीठ श्री कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेले का शुभारंभ हो रहा है, मां कुंजापुरी का आशीर्वाद हमारी देवभूमि पर बना रहे। उन्होंने कहा कि मेले मेल-मिलाप का माध्यम होते हैं, जो हमारी संस्कृति, परंपरा को आगे बढ़ाते हैं। उत्तराखंड की संस्कृति एवं सभ्यता अन्य प्रदेशों से अलग है। मा. प्रधानमंत्री जी द्वारा बाबा केदारनाथ धाम से कहा है कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा। राज्य सरकार उत्तराखण्ड के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उनके द्वारा प्रदेश के विकास में सभी की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु सभी से संकल्प लेने की अपील की गई। उनके द्वारा नरेन्द्रनगर के अवस्थापना संबंधी कार्यों हेतु अवस्थापना निधि से सहयोग किये जाने का आश्वासन दिया गया।

इस मौके पर मा. वन एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने सभी को मेले एवं नवरात्रों की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सिद्धपीठ श्री कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेले ने क्षेत्र के विकास एवं खेलों का आगे बढ़ाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्रनगर बाजार को हेरिटेज के रूप में विकसित किया जायेगा। क्षेत्र में ऑडिटोरियम एवं सामुदायिक भवन का विस्तारीकरण तथा डिग्री कॉलेज का विस्तारीकरण किया जायेगा। कहा कि नरेन्द्रनगर में जी-20 एवं मध्ये क्षेत्रीय बैठक के आयोजन से क्षेत्र को निश्चित ही अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर एवं पर्यटन के क्षेत्र में एक पहचान मिलेगी। कहा कि यह एक ऐतिहासिक नगरी है और समय के साथ इसको आगे बढ़ाने का कार्य किया जाना आवश्यक है।

प्रातः माँ कुंजापुरी मंदिर में विधिवत पूजन एवं हवन किया गया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल भी मौजूद रहे। इस दौरान खिलाड़ियों की आवाजाही हेतु केयर इण्डिया ग्रुप द्वारा सीएसआर मद से बस दिये जाने पर केयर इण्डिया गुरप के जशोदा देवी एवं रमा देवी को सम्मानित किया गया। आठ दिवसीय सिद्धपीठ श्री कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेले के अवसर पर आज 15 अक्टूबर रविवार को रात्रि 9:30 बजे लोकगायिका मीना राणा, रोहित चौहान द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। वहीं कल दिनांक 16 अक्टूबर को पूर्वाह्न 11 बजे महिला बॉलीबाल ओपन प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या द्वारा किया जायेगा तथा रात्रि 08 बजे से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

मेले के उद्घाटन के अवसर पर ब्लॉक प्रमुख नरेन्द्र नगर राजेन्द्र भण्डारी, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मुनि की रेती रोशन रतूड़ी, अध्यक्ष नगर पंचायत गजा मीना खाती, समाजसेवी बच्चन पोखरियाल, एसडीएम नरेन्द्रनगर देवेन्द्र सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी/कर्मचारी,

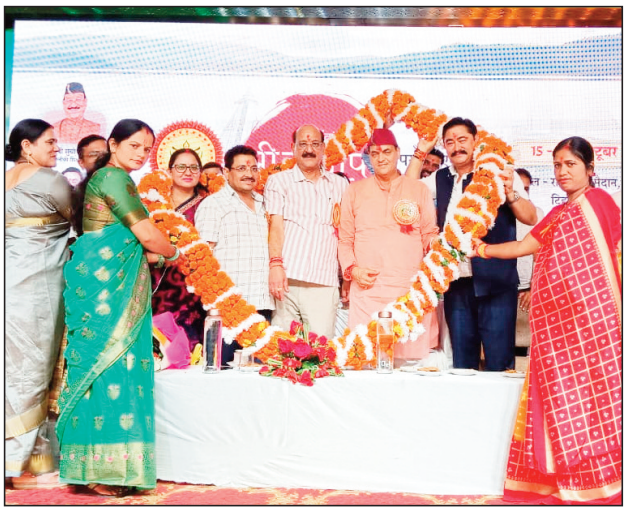

जल्द शुरू होगा यू कोट वी पे का चौथा चरण : डॉ. आर. राजेश कुमार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 16 अक्टूबर , कुमांउ मंडल के तूफानी और कामयाब दौरे से लौटते ही राज्य सचिवालय में स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार एक्शन में तरोताजा नज़र आये और बड़े फैसलों को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण समिति की 38वीं कार्यकारिणी समिति की बैठक में तय हुआ कि राज्य के कई अस्पतालों में अभी भी स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की कमी है जिसको देखते हुए यू कोट वी पे का चौथा चरण जल्द शुरू होगा ताकि सभी जनपदों में प्राथमिकता के आधार पर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की तैनाती हो सके। स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार द्वारा बताया गया कि प्रदेश के चिकित्सा इकाइयों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति हेतु संचालित यू कोट वी पे मॉडल का चौथा चरण जल्द शुरु किया जाएगा। जिसमें सर्जन, गायनोलॉजिस्ट, रेडियोलॉजिस्ट, ऑर्थोपेडिक, एनेस्थेटिक, पैथोलॉजिस्ट, पीडियाट्रिशन, मनोवैज्ञानिक आदि

पदों पर विशेषज्ञ चिकित्सकों को नियुक्त कर सीमांत जनपदों में आमजन को स्वास्थ्य लाभ हेतु सेवाएं दी जाएगी।

स्वास्थ्य सचिव ने दीपावली से पहले एनएचएम कर्मियों को बड़ा तोहफा दिया है। राज्य के विभिन्न अस्पतालों में भ्रमण के दौरान एनएचएम कर्मियों ने स्वास्थ्य सचिव के सामने यह मांग रखी थी। जिस पर आज उन्होंने अपनी मुहर लगा दी। कार्यकारिणी समिति की बैठक में प्रेदश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में कार्यरत पात्र कार्मिकों को पितृत्व अवकाश, बाल्य देखभाल अवकाश व बाल दत्तक अवकाश का लाभ उत्तराखंड शासन नियमावली के अनुसार दिए जाने पर सहमति प्रदान की गई।

वहीं स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि निशुल्क जांच योजना के अंतर्गत सभी 266 जांचों की गुणवत्ता की जांच करने हेतु गढ़वाल क्लस्टर के देहरादून मेडिकल कॉलेज व कुमांऊ क्लस्टर के हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज की जाएगी। बैठक में स्वाति भदौरिया मिशन निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, अमनदीप कौर अपर सचिव स्वास्थ्य, सुनीता टम्टा निदेशक स्वास्थ्य, प्रभारी अधिकारी डॉ अमित शुक्ला, डॉ राजन अरोड़ा, डॉ पकंज कुमार, डॉ फरीदुज़फ़र, डॉ मुकेश रॉय, महेंद्र मौर्य राज्य कार्यक्रम अधिकारी एन.एच.एम., कविता कौशल कंसल्टेंट मानव संसाधन सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

आपकी मेंटल हेल्थ को प्रभावित करती हैं ये पांच चीजें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 16 अक्टूबर : ऑफिस वर्क, घर का काम, बिल भरना, राशन और बच्चों की जिम्मेदारियां पूरी करते-करते कई बार व्यक्ति खुद पर ध्यान देना भूल जाता है. जिस वजह से व्यवहार में चिड़चिड़ापन, नींद की कमी, काम में मन न लगना और तनाव जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं. ये लक्षण खराब मेंटल हेल्थ की ओर इशारा करते हैं. मेंटल हेल्थ व्यक्ति की भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्थितियों को दर्शाता है। अधिक तनाव और जिम्मेदारियां किसी भी व्यक्ति को मानसिक रूप से कमजोर कर सकती हैं. सिर्फ महिलाएं ही नहीं बल्कि पुरुष भी खराब मेंटल हेल्थ का सामना करते हैं. दिमाग पर प्रेशर देने वाली समस्याओं के संकेतों को समय रहते भांप लिया जाए तो काफी हद तक मेंटल प्रेशर को कम किया जा सकता है. चलिए जानते हैं उन कारणों के बारे में जो मेंटल हेल्थ को प्रभावित कर सकते हैं। लंबे समय तक काम करने से चिंता, डिप्रेशन और वर्कआउट बढ़ सकता है. द सन डॉट को डॉट यूके के अनुसार लाइफ को सुचारू रूप से चलाने के लिए काम पर अतिरिक्त घंटे देना सामान्य है लेकिन जब ये काम मेंटल प्रेशर बढ़ाने लगे तो मेंटल हेल्थ पर असर हो सकता है. अधिक काम करने से वजन में उतार-चढ़ाव, लगातार थकान, नींद की कमी और लो महसूस करने जैसे लक्षण नजर आ सकते हैं. इससे कई गंभीर समस्याएं भी बढ़ सकती हैं. शोध के अनुसार जो लोग हफ्ते में 55 से 65 घंटे काम करते हैं उनकी मेंटल हेल्थ काफी खराब हो सकती है.जैसा कि कहा जाता है कि आप जैसा खाते हैं वैसा ही प्रभाव शरीर और दिमाग पर पड़ता है. हेल्दी डाइट वास्तव में मेंटल हेल्थ में मदद कर सकती है. अधिक जंक फूड या अनहेल्दी खाना दिमाग को कमजोर बना सकता है. इसलिए डाइट में फल-सब्जियों, दूध, अंडा और मछली को शामिल करना डिप्रेशन के खतरे को कम कर सकता है.

एक पेन की कीमत कई करोड़, पढ़िए खूबियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

स्कूलों के दिनों से लेकर आज तक आप कहीं ना कहीं पेन का इस्तेमाल करते होंगे. लेकिन आज तक आपने सबसे ज्यादा कितनी कीमत का पेन उपयोग में लिया है, 100- 500 या फिर इससे कुछ ज्यादा. लेकिन आज हम आपको ऐसे पेनों के बारे में बताने जा रहे हैं जिनकी कीमत सुन आपके होश उड़ जाएंगे. इनमें से एक पेन की कीमत तो 50 करोड़ रुपये से भी ज्यादा है, आइए जानते हैं दुनिया के सबसे महंगे पेनों के बारे में...

फुल्गोर नॉकटर्नस Fulgor Nocturnus

फुल्गोर नॉकटर्नस नाम का पेन दुनिया के सबसे महंगे पेनों की लिस्ट में सबसे ऊपर आता है. इसकी कीमत 8 मिलियन डॉलर है. भारतीय करेंसी में अगर बात की जाए तो इस पेन की कीमत 65 करोड़ रुपये से भी ज्यादा है. रिपोर्ट्स के अनुसार शंघाई में साल 2010 में एक नीलामी में इस पेन को 8 मिलियन डॉलर में बेचा गया था। ये पेन सोने और काले हीरे से बना है.

बोहेम रॉयल Boheme Royal

ये पेन काफी कीमती है और इसे लक्जरी पेन निर्माता कंपनी मोंटब्लैंक ने बनाया है. बोहेम

रॉयल पेन को 18 कैरेट सफेद सोने बनाया गया है. वहीं, इसके ऊपरी हिस्से पर बहुत सारे हीरे लगे हैं. इस पेन की रकम 1.5 मिलियन डॉलर बताई जाती है. भारतीय करेंसी में बात करें तो ये पेन 12 करोड़ रुपये का है.

ऑरोरा डायमांटे Aurora Diamante

महंगे पेनों की लिस्ट में ऑरोरा डायमांटे तीसरे नंबर पर है. ये पेन भी काफी खास है. जहा जाता है की इस पेन 30 कैरेट हीरे के साथ साथ एक ठोस प्लैटिनम बैरल होता है। इस पेन की कीमत 1.28 मिलियन डॉलर है. इंडियन करेंसी में इसकी कीमत 10 करोड़ रुपये से भी अधिक है.

1010 डायमंड्स लिमिटेड एडिशन फाउंटेन पेन 1010 Diamonds Limited Edition Fountain Pen

1010 डायमंड्स लिमिटेड एडिशन फाउंटेन पेन को 18 कैरेट सफेद सोने से बनाया जाता है. इसे पेन में कई सौ हीरे भी जड़े हुए हैं. इस पेन की एक मिलियन डॉलर है. जो कि भारतीय करेंसी में 8 करोड़ रुपये से अधिक है.

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा उत्तराखंड के विकास के लिए की गयी घोषणा को नहीं पचा पा रही कांग्रेस: किरन पंत

अल्मोड़ा। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष किरन पंत ने प्रेस को जारी एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विगत दिवस उत्तराखंड के दौरे से विपक्षी पार्टी कांग्रेस पूरी तरह बौखला गई है। प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा उत्तराखंड के विकास के लिए 4200 करोड़ रुपए की जो घोषणाएं की गई है उन्हें कांग्रेस पार्टी पचा नहीं पा रही है। उन्होंने कहा कि जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार सत्ता में आई है लगातार भ्रष्टाचार पर प्रहार कर रही है तथा बेरोजगारी को दूर करने के लिए मोदी सरकार ने कई अहम कदम उठाए हैं। चाहे महिला सुरक्षा की बात हो, चाहे विकास की बात हो, मोदी सरकार लगातार जनता के हित में निर्णय ले रही है। उन्होंने कहा कि मोदी की लोकप्रियता आज इतनी हो चुकी है कि कांग्रेस पार्टी दूर-दूर तक कहीं दिखाई नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता से इस कदर घबरा चुकी है कि बे बुनियाद मुद्दे उठाकर जनता को बरगलाने की कोशिश कर रही है। लेकिन चुनाव के माध्यम से जनता लगातार कांग्रेस को आईना दिखाने का काम कर रही है। उत्तराखंड के परिपेक्ष्य में बागेश्वर उपचुनाव इसका सीधा जाता उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड की पांचों लोकसभा सीट को जीतने के साथ ही रिकॉर्ड संख्या से पूरे देश में जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि आज जहां भारतीय जनता पार्टी लगातार लोगों के बीच में है तथा जनहित की समस्याओं के लिए लगातार प्रयास कर रही है वहीं कांग्रेस पार्टी सत्ता की ही भांति लोगों के बीच से भी गायब हो चुकी है।

सभासद अमित साह प्रयासों से होगा गैस गोदाम सडक़ के सुधारीकरण का कार्य

अल्मोड़ा। लंबे समय से लक्ष्मेश्वर वार्ड के सभासद अमित साह मोनू गैस गोदाम लिंक मोटर मार्ग के सुधारीकरण की मांग के लिए लगातार संघर्षरत थे। उनके द्वारा लगातार प्रशासन एवं संबंधित विभाग से मांग की जा रही थी कि जनहित में अविलंब गैस गोदाम लिंक मोटर मार्ग का सुधारीकरण किया जाए। विदित हो कि गैस गोदाम लिंक मोटर मार्ग नगर का एक मुख्य मोटर मार्ग है जो अल्मोड़ा की यातायात व्यवस्था का दबाव कम करने भी काम करता है। परंतु कुछ माह पूर्व जल निगम के द्वारा सीवर लाइन के लिए उक्त मोटर मार्ग को खोदा गया था। तब से यह मार्ग बदहाल स्थिति में था। सभासद की चेतावनी के बाद प्रशासन और संबंधित विभाग अचानक हरकत में आए और आज लोक निर्माण विभाग के एई और जेई ने सभासद अमित साह मोनू के साथ उक्त मोटर मार्ग का निरीक्षण किया और अभियंता ने बताया कि शनिवार से उक्त मार्ग के गड्ढों को भरने का काम प्रारंभ हो जाएगा तथा उसके बाद अविलंब टेंडर करवाकर मार्ग का सुधारीकरण कर दिया जाएगा।

कुमाऊं मंडल आयुक्त दीपक रावत ने झांकर सैम मंदिर में की पूजा अर्चना

अल्मोड़ा। आयुक्त कुमाऊं मंडल दीपक रावत ने आज प्रसिद्ध झांकर सैम मंदिर पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कुमाऊं कमिश्नर आज झांकर सैम मंदिर पहुंचे जहां उन्होंने मंदिर में पूजा अर्चना कर मंदिर का अवलोकन तथा मंदिर की सुंदरता एवं कलाकारी देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने मंदिर पुजारियों से मंदिर का इतिहास जाना। इस दौरान उन्होंने झांकर सैम में बने अमृत सरोवर का भी अवलोकन किया। इस दौरान तहसीलदार बरखा जलाल समेत मंदिर पुजारी एवं अन्य उपस्थित रहे।

जीआईसी हवालबाग के छात्रों ने संस्कृत समूह गान प्रतियोगिता में पाया पहला स्थान

अल्मोड़ा। राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज हवालबाग के विद्यार्थियों ने संस्कृत की समूह गान प्रतियोगिता के वरिष्ठ वर्ग में जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस प्रतियोगिता में सुहानी बिष्ट, शिवानी पांडे, रजनी आर्या,पायल आर्या,हिमानी बिष्ट, रिया कनवाल, दीपक कुमार व खुशबू बिष्ट ने प्रतिभाग किया। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में इन विद्यार्थियों को टी शर्ट देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0 कपिल नयाल ने बताया की इन विद्यार्थियों को विद्यालय के प्रवक्ता डॉ. निर्मल कुमार पंत व सुनीता बोरा ने मार्गदर्शन प्रदान किया। विद्यार्थियों की उपलब्धि पर संजय पांडे, टी.डी भट्ट, प्रदीप सलाल, दिनेश चंद्र पपनै, धन सिंह धौनी, प्रमोद पांडे, भगवत बगडवाल, नवीन वर्मा, सुमन पाठक, भावना वर्मा, मोनिका जोशी, योगिता तिवारी, कविता जोशी व विक्रम ने हर्ष व्यक्त किया है।

वरिष्ठ भाजपा नेता हेमराज बिष्ट ने अपने कुल की आराध्य देवी श्री मां हरनन्दा जी के दरबार हरदेव बुंगाछीना ₹बाराबीसी पट्टी₹ में आज पूजा अर्चना कर शारदीय नवरात्र की शुरुवात की और बोला ₹जय मां हरनन्दा जी की₹

जौनसार बावर की अनूठी परम्परा जहाँ दुल्हन खुद लाती है बारात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 अक्टूबर , हमारे रंगीले देश में परम्पराएं भी बड़ी रोचक और अनोखी हैं। कहीं अजीबोगरीब संस्कार तो दिलचस्प रस्में लेकिन इसमें सबसे दिलचस्प है भारत में शादियां .. आपने अजीबोगरीब शादियों के बारे में सुना होगा लिहाज़ा शाइनिंग उत्तराखंड में आज जानकारी एक ऐसी शादी की परंपरा के बारे में दे रहे हैं जो अनोखी है। ये शादी पूरी दुनिया को बताती है कि आखिर विवाह होने कैसे चाहिए। इस शादी में दुल्हा नहीं दुल्हन बारात लेकर आती है।तो चलिए बात करते हैं अलबेले जौनसार बावर की पहचान और परंपरा की

उत्तराखंड की अस्थाई राजधानी देहरादून से करीब 90 किलोमीटर की दूरी पर बसा है रहस्यों , परम्पराओंम की मजबूत विरासत समेटे जौनसार बावर जो सिर्फ अपनी संस्कृति के लिए नहीं, बल्कि अपनी अलग परंपराओं के लिए भी दुनियाभर में पहचान रखता है । जाजड़ परंपरा इन्हीं परंपराओं में से एक है। जहां आम शादियों में दुल्हा बारात लेकर दुल्हन के घर जाता है। वहीं, सिरमौर और जौनसार में दुल्हन बारात लेकर आती है। जी हां. दुल्हन। सिर्फ यही नहीं, कबायली संस्कृति की इन शादियों में महिलाओं की काफी ज्यादा अहमियत होती है। यही वजह है कि यहां पूरे गांव की महिलाओं को

अलग से भोज करवाया जाता है। इस परंपरा को रहिंन जिमाना कहा जाता है।

दिखावा किया तो होगा विरोध

दुल्हन जब दूल्हे के घर बारात लेकर आती है तो बारात मेहमानों को लेकर दूसरे दिन लौट जाती है। लेकिन दुल्हन दूल्हे के घर पर 5 दिन तक रहती है। आजकल जहां लोग शादियों पर करोड़ों रुपये खर्च करते हैं, वहीं जौनसार बावर में शादी में दिखावा करना काफी ज्यादा खराब माना जाता है। शादी परंपराओं के हिसाब से करना बेहद जरूरी है। अगर किसी ने शादी में अमीरी दिखाने की कोशिश की और बेजा खर्च किया तो पूरा गांव उसका विरोध करता है। सदियों से चली आ रही ये परंपरा आज भी यहां कायम है।

क्या इतना दहेज लेंगे आप ?

अब बात करते हैं दहेज की। जहां पढे-लिखे लोग लाखों का दहेज और घोड़ा–गाड़ी लड़कियों से लेते हैं। वहीं, जौनसार और सिरमौर में बिलकुल उल्टा है। यहां कई इलाकों में दूल्हे की तरफ से दुल्हन के परिवार को दहेज देने की प्रथा है। हालांकि ये दहेज पैसों और घोड़ा–गाड़ी का नहीं होता, बल्कि ये कोई सामान्य चीज जैसे बर्तन

और कपड़े हो सकते हैं। और ये दहेज देने का मतलब ये है कि दूल्हे के मां–बाप दुल्हन के मां–बाप का शुक्रिया अदा करते हैं कि उन्होंने अपनी बेटी का हाथ उनके लड़के के लिए दिया। कुछ शादियों में दुल्हन दहेज देती है, लेकिन ये सिर्फ 5-7 बर्तन ही होते हैं।

अनोखी विदाई, सिर्फ दुल्हन की नहीं, पूरी बारात की

हर शादी की तरह जौनसार की शादियों में भी नाच–गाना होता है। लेकिन इन शादियों में परंपरागत नृत्यों को तवज्जो दी जाती है। हारुल, तांदी, झुमैलो जैसे नृत्य रातभर चलते हैं। जाजड़ परंपरा की शादी की एक और खास बात है, वो है विदाई। यहां जब विदाई का वक्त आता है तो दुल्हा–दुल्हन के परिवार वाले छत पर खड़े हो जाते हैं और गाना गाने लगते हैं। गाने के जरिये लड़के वाले लड़की पक्ष से कहते हैं कि सेवा में कुछ भूल–चूक हुई हो तो हमें माफ कर देना। वहीं, लड़की के पक्ष वाले कहते हैं... आपने हमारी काफी सेवा की। हमारी लड़की जब आपके घर में रहना शुरू करेगी तो आप उसके साथ भी ऐसा ही व्यवहार करें। तो ऐसी है देवभूमि के जौनसार बावर की अनूठी परम्परा

जीवन चक्र में अजन्मे बच्चे को जीवन कब मिलता है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सुप्रीम कोर्ट ने अबॉर्शन की एक याचिका पर सुनवाइर करते हुए कहा कि हम इसकी अनुमति देकर अजन्मे बच्चे की हत्या नहीं कर सकते हैं. साथ ही देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि अबॉर्शन की अनुमति मांगने वाले याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत अजन्मे बच्चे के अधिकारों को नजरअंदाज नहीं कर सकती है. ऐसे में आपके मन में ये सवाल उठना लाजिमी है कि स्पर्म से पहले भ्रूण और फिर शिशु कैसे तैयार होता है? भ्रूण में तेजी से बदलाव कब से होने शुरू होते हैं? फिर अजन्मे बच्चे में जीवन कब आता है?

एक शिशु के पैदा होने से पहले उसके बनने की पूरी प्रक्रिया हैरतअंगेज कर देने वाली होती है. गर्भ में कई तरह की कोशिकाओं के संयोजन से पहले बहुत ही छोटा मानव शरीर बनता है. फिर ये सूक्ष्म शरीर एक इंच से 50 सेंटीमीटर में तब्दील होकर नवजात शिशु के रूप में बाहर आता है. शुरुआत में एग एक सूई की नोंक जैसा ही होता है, जो धीरे-धीरे विकसित होकर शिशु बनता है. जब एग बन जाता है तो आगे का विकास गर्भाशय में होने लगता है. वहां इसके बनने के बाद तुरंत ज्यागोट का विभाजन शुरू होता है. ये गर्भाशय में पहुंचने के बाद 30 घंटे में ही दो ब्लास्टोमर्स कोशिकाओं की रचना करता है. ये दोनों कोशिकाएं बिल्कुल एक जैसी होती हैं.

बार-बार होने वाले कोशिका विभाजन से ब्लास्टोमर्स की संख्या बढ़ती जाती है. ये सभी कोशिकाएं आपस में मिलती-जुलती नहीं हैं. इनमें से कुछ कोशिकाएं मांसपेशियों, कुछ हड्डियों, कुछ स्नायु, रक्त और इसी तरह की होती हैं. मान लीजिए मानव शरीर जिन चीजों से बनता है, उन सभी की कोशिकाएं गर्भाशय में बनकर मौजूद रहती हैं. इसके दो हफ्ते बाद गर्भाशय

में इन कोशिकाओं के जरिये अगले चरण का काम शुरू होता है. अब ये कोशिकाएं मिलकर दिमाग, दिल, फेफड़े और शरीर की शुरुआती रचना करना शुरू कर देती हैं. दो महीने बाद ये संरचना पहले से बड़ी हो जाती है. तब इसमें मुंह, आंख, नाक, कान, हाथ, पैर और शरीर के ऊतकों का निर्माण हो जाता है. यानी बेबी आकार ले लेता है.

अजन्मे बच्चे की कब बढ़ती है लंबाई, वजन

फिर इसका हृदय पूरा बन जाता है. इसमें धड़कन आ जाती है. इस शरीर में हृदय के जरिये खून का प्रवाह भी शुरू हो जाता है. गर्भाशय में मौजूद ये बहुत छोटा सा शरीर हरकत में आने लगता है. इस समय शरीर का आकार 1 इंच से भी कम होता है और वजन कुछ ग्राम होता है. अब शरीर बड़ा और विकसित होना शुरू होता है. इसकी यही अवस्था भ्रूण कहलाती है. ये शिशु अगले सात महीनों तक मां के शरीर में रोज 1.5 मिमी की दर से बढ़ता है. इस तरह अगले तीन महीने में ये अपने आकार का दोगुना हो जाता है. पांचवें महीने इसकी लंबाई पूरी तरह विकसित बच्चे की आधी यानि 25 सेंटीमीटर के आसपास पहुंच जाती है. सातवें महीने में शिशु का वजन बढ़ता है.

अजन्मे बच्चे की पूरी लंबाई कब होती है ?

सातवें महीने में ही अजन्मे बच्चे के पूरे शरीर में त्वचा के नीचे सामान्य श्वेत चर्बी जमा होनी शुरू हो जाती है. इसके अलावा अंतिम कुछ हफ्तों में विशेष किस्म की भूरी चर्बी शरीर के अन्य भागों में जमा होनी शुरू हो जाती है. नौवें महीने के आखिर तक शिशु का वजन 3 से 4 किलो के बीच हो जाता है. वहीं, इसकी लंबाई 50 सेंटीमीटर के आसपास पहुंच जाती है. इस तरह एक सूई के नोंक जैसे एग से शिशु बनता है और उसका जन्म होता है.

जेबीआईटी में हुआ फ्रेशर पार्टी समारोह

विकासनगर। जेबीआईटी में नव प्रवेशी छात्रों के लिए द्वितीय वर्ष के छात्रों की ओर से फ्रेशर पार्टी समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सहसपुर विधायक सहदेव पुंडीर ने विभिन्न राज्यों से आये नवप्रवेशी छात्रों का अपनी विधानसभा क्षेत्र के इंस्टीट्यूट में प्रवेश लेने पर स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने किया। मौके पर ग्रुप के वाइस चेयरमैन संदीप सिंघल,सेक्रेटरी रजत सिंघल,निदेशक डॉ. पीके चौधरी ने मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। विधायक सहसपुर सहदेव सिंह पुंडीर ने नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं से आशा व्यक्त करते हुए कहा कि जिन उम्मीदों और आशाओं से आपके परिजन द्वारा भेजा गया है, वह निश्चित तौर से आप पूरा करेंगे। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने अपने देश प्रदेश के लिए कुछ कर गुजरने का भी आह्वान किया। इस मौके पर द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जौनसारी ,गढ़वाली, कुमाऊनी, हिंदी पंजाबी गीत नृत्यों पर सभी दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।मशहूर डीजे गौरी शर्मा द्वारा ताल से ताल मिला, डीजे वाले बाबू मेरा गाना बजा दे ,अभी तो पार्टी शुरू हुई है आदि गानों पर छात्रों को देर रात तक थिरकने को मजबूर कर दिया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि द्वारा इस वर्ष के मिस्टर फ्रेशर आशीष , मिस फ्रेशर प्रीतिका, मिस्टर इवनिंग विवेक ,मिस इवनिंग प्रिया को अंग वस्त्र एवं गिफ्ट देकर सम्मानित किया । इस मौके पर संध्या सिंघल, सोनम सिंघल, निदेशक डॉक्टर पीके चौधरी, रजिस्ट्रार डॉ. विशांत कुमार, कार्यक्रम संयोजक नवीन सिंह, मनोज चौधरी, डॉ. संदीप चौधरी, किशोर भट्ट, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. संजीव गिल, डॉ. अरुण मौर्य ,रवि शंकर, पुनीत गर्ग, डॉ. एमके अरोड़ा, लाखन सिंह, पुनीत कुमार सहित सभी शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

शिक्षा के बिना समाज ही नहीं इंसान भी अधूरा है : शफ़ी देहल्वी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सहारनपुर 16 अक्टूबर : आज हमारे पिछड़े समाजों की पंचायत या बैठकों में शादी ब्याह की रस्मों पारिवारिक झगडों के निपटारे में समय व्यस्त करते हैं यह विचार रखते हुए ऑल इंडिया मुस्लिम तेली कॉन्फ्रेंस पंजिकृत के राष्ट्रीय अध्यक्ष शफ़ी देहलवी ने दिल्ली के मूंगा नगर में आयोजित ऑल इंडिया मुस्लिम तेली कांफ्रेंस के 25 वें स्थापना दिवस समारोह में बोलते हुए कहा कि यदि यह समय शिक्षा व रोजगार में समाज के साधन संपन्न होने की योजना पर विचार करें तो पूरा समाज हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर साधन संपन्न हो सकता है शिक्षा के बिना समाज ही नहीं इंसान भी अधूरा है।

समाज को चाहिए कि नेता व सरकार पर निर्भर हुए बिना अपने दम पर स्कूल कालेज होस्टल समुदाय भवन बनाने के लिए प्रयास करें।और ऐसी योजना के लिए संगठित होना ज़रूरी है यदि आप संगठित होंगे तो तरक्की की हर स्त्रोत तुम्हारे कदमों में आगिरेगी।

इस अवसर पर तेली कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय सचिव हाजी ताज मोहम्मद पूर्व चेयरमैन दिल्ली उर्दू अकादमी ने कहा कि शिक्षा सहित कोई योजना एकता योगदान के बिना कामयाब नहीं हो सकती । सेंकडों संगठनों में बंटा हुआ समाज तरक्की नहीं कर सकता पूरे देश में जिस प्रकार शफ़ी देहल्वी ने राष्ट्रीय स्तर पर संगठन

को स्थापित किया है पूरे देश की बिरादरी को चाहिए कि जिला प्रदेश स्तर के संगठन को छोड़कर राष्ट्रीय स्तर पर ऑल इंडिया मुस्लिम तेली कॉन्फ्रेंस पंजिकृत के साथ जुड़े तभी एक समाज शिक्षित एकजुट समाज भारत का तेली समाज कहलाएंगे , मोहम्मद सुलेमान की अध्यक्षता में आयोजित इस स्थापना दिवस में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष शेर खां मलिक ने कहा कि संस्था है तो बल है हमने संगठन की विशेषता आल इंडिया मुस्लिम तेली कान्फ्रेंन्स से जुडने के बाद समझी आज ऑल इण्डिया मुस्लिम तेली कॉन्फ्रेंस का 25 वां स्थापना दिवस भारत के 14 राज्यों के 40 स्थानों पर मनाया गया है यह मेहनत शफी.देहल्वी जी की है भारत का हमारे समाज का कोई भी संगठन इतने बड़े स्तर पर कार्य नहीं कर सकता हमें गर्व है और अब हम अपने संगठन को विधानसभा स्तर तक संगठित करेंगे और हर घर शिक्षा हर हाथ रोजगार के लिए कार्य करेंगे।इस समारोह के आयोजक सिराजुद्दीन(P.S) ने ऐक घोषणा प्रस्ताव पेश किया किया हमारा समाज टुकड़ों में नहीं बंटेगा शिक्षा व रोजगार में अपने संगठन के बल पर योजना बनायगा और देश के हर जिले में बिरादरी के लिए एक कॉलेज और दो स्कूल बनाएगा । इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया।

समारोह में उपस्थित तेली बिरादरी के गणमान्य लोगों नसीरुद्दीन, मो इकरार अली, मो हसन मलिक, नन्हे खां पप्पू , मुन्ने खां, असगर अली, गुल मोहम्मद, सफी मोहम्मद, निजामुद्दीन मलिक नफीस भाई, अनीस मलिक , मोहम्मद यूनुस, मोहम्मद अफजल पप्पू, आरिफ मलिक , या मलिक, मुश्ताक मलिक, नवाब खान मोहम्मद अली इरशाद मलिक हाजी रफीक आदि ने शफ़ी देहल्वी का सम्मान किया ।

बैठक में हुई आपदा प्रबंधन के सम्बंध में चर्चा

विकासनगर । जनपद आपदा प्रबंधन प्राधिकरण देहरादून के तत्वावधान में राज्य आपदा प्राधिकरण देहरादून और सीडीआरआई के विशेषज्ञ दल द्वारा शुक्रवार को चकराता ब्लॉक में ग्रामीणों महिलाओं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं आदि के साथ बैठक आयोजित कर आपदा प्रबंधन के सम्बंध में चर्चा की। शुक्रवार सुबह ब्लॉक कार्यालय में आयोजित बैठक में एडवाइजर टेलीकम्युनिकेशन अंशुल यादव ने उपस्थित लोगों से आपदा के समय सूचना के लिए उपलब्ध संचार साधनों के विषय में चर्चा की। जिसपर अधिकांश लोगों ने क्षेत्र में नेटवर्क व्यवस्था को इसमें बाधक बताते हुए कहा कि कई बार दुर्गम क्षेत्रो में दुर्घटना हो जाने पर सूचना समय से नहीं पहुंचा पाते हैं। कहा कि कई गांवों जैसे खाटवा, बनियाना, उदावा, नाडा आदि क्षेत्र में संचार माध्यम आज तक सही तरीके से उपलब्ध नहीं है। इन क्षेत्रों से लोगों को दो से दस किलोमीटर दूर तक जाना पड़ता है। तब जाकर फोन लग पाता है और लोगों ने अधिकांश ग्रामीण क्षेत्र में इंटरनेट व ब्रॉडबैंड की कमी को भी परेशानी बताया। इस पर उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार को उनकी कमेटी इस ओर जल्द रिपोर्ट सौंपेगी। ताकि क्षेत्र में आपदा आने पर लोगों को सचेत करने के लिए सायरन हूटर आदि की व्यवस्था नही हैं। जगह जगह लगाए जाने आवश्यक हैं उन्होंने कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों में प्रायः यह देखने मे आया है कि आपदा या दुर्घटना के समय सबसे पहले स्थानीय ग्रामीण ही मौके पर पहुंच कर आपदा प्रबंधन का कार्य शुरू करते हैं।

संपादकीय

'हमास' का असली चेहरा

हमास और उसकी हुकूमत वाले गाजा पट्टी क्षेत्र की आखिरी नियति तय है। इजरायल बहुत गुस्से में है और बहुतकनीकी ताकत वाला देश है। वह हमास को 'मिट्टी' बनाकर ही चैन की सांस लेगा। यह इजरायल की फितरत भी है। लाखों लोग गाजा से विस्थापित हो चुके हैं। पलायन के बाद वे कहां जाएंगे, अभी निश्चित नहीं है। इजरायल ने गाजा के बिजली, पानी, भोजन, दवाएं आदि की आपूर्ति बंद कर रखी है। यह मानवाधिकार का कुचलना भी है, लेकिन युद्ध का अनिवार्य फलितार्थ भी है। इजरायल, अमरीका और मिस्र के बीच सहमति बनी है कि पश्चिमी पासपोर्ट वाले लोग सीमा पार करके मिस्र में आ सकते हैं। कोई भी अरब देश गाजा के विस्थापित शरणार्थियों को अपने देश में शरण देने को तैयार नहीं है। उधर हमास के संभावित अड्डों और आतंकियों के ठिकानों पर इजरायल की सेना का समन्वित आक्रमण तैयार है। हमला आसमान, जमीन, समंदर से एक साथ किया जाएगा। हमास के दो शीर्ष कमांडरों-अली कादी और मुराद अबू मुराद-को मार कर ढेर करने का दावा इजरायल सेना ने किया है। बीती 7 अक्तूबर को इजरायल में किए गए खौफनाक हमलों का नेतृत्व इन्हीं कमांडरों ने किया था। बहरहाल अभी तक 3500 से ज्यादा लोग, दोनों तरफ के, मारे जा चुके हैं और घायलों की संख्या 12,000 से अधिक बताई जा रही है। इजरायली सेना के ताजा हमलों के बाद ये आंकड़े कहां तक जाएंगे, फिलहाल अनुमान ही लगाया जा सकता है। बेशक यह युद्ध है, लिहाजा मासूम लोग भी गिरफ्त में आएंगे। मासूमों की लाशें भी बिछेंगी, लेकिन यह भी मानना चाहिए कि यह आतंकवाद के खिलाफ युद्ध है। इजरायल ने फिलिस्तीन वाले हिस्से पर आक्रमण नहीं किया है। अमरीकी विदेश मंत्री ब्लिंकेन ने फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास से मुलाकात की है। जाहिर है कि युद्ध के संदर्भ में भी कोई बात हुई होगी! दरअसल हमास 100 फीसदी आतंकी संगठन है। जिस तरह पाकिस्तान में जैश-ए-मुहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा, तहरीके तालिबान, अफगानिस्तान में तालिबान और हक्कानी, लेबनान में हिजबुल्ला, मिस्र में मुस्लिम ब्रदरहुड और नाइजीरिया में बोको हराम आदि संगठित, चरमपंथी आतंकी संगठन हैं, गाजा पट्टी में हमास उनसे कम आतंकी नहीं है। यदि हिजबुल्ला के पास करीब 1.5 लाख मिसाइलें, रॉकेट आदि की ताकत बताई जाती है, तो हमास के पास 5000 रॉकेट और युद्ध के अन्य उपकरण कहां से आए? वह अब भी इजरायल पर रॉकेट दाग रहा है? उसे आर्थिक मदद कौन देश देते रहे हैं? भारत के मुस्लिम संगठन, पर्सनल लॉ बोर्ड, मु ी भर नेता और कथित प्रवक्ता एवं स्कॉलर्स अपने-अपने पूर्वाग्रह छोड़ें और हमास को आतंकी संगठन मानें। हमास को आतंकी न मानने से मुसलमानों के वोट पक्के नहीं होंगे। हमास के आतंकियों की तुलना हमारे राष्ट्रीय क्रांतिकारियों-सरदार भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, बिस्मिल आदि-और स्वतंत्रता सेनानियों से न करें। यह बेहद नापाक और देश-विरोधी मानसिकता है।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

छात्र-छात्राओं को कॅरियर संबंधी जानकारी दी

विकासनगर। वीर शहीद केसरी चंद राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डाकपत्थर में शुक्रवार को नब्बे दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। शिविर के तहत छात्र-छात्राओं को पैथोलॉजी, रेडियोलॉजी समेत अन्य क्षेत्रों में कॅरियर की जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता डॉ. नरोत्तम शर्मा बताया कि पैथोलॉजी के क्षेत्र में कॅरियर की असीम संभावनाएं हैं। इसका प्रशिक्षण डीएनए प्रयोगशाला देहरादून से किया जा सकता है, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर नरोत्तम शर्मा, वैज्ञानिक एवं विभाग अध्यक्ष डीएनए लैब, सेंटर फॉर अप्लाइड साइंसेज देहरादून द्वारा समस्त छात्र-छात्राओं को पैथोलॉजी विषय के बारे में विस्तार से समझाया गया। यह कार्यक्रम डीएनए लैब देहरादून में कराया जाएगा। फ्लेमोलॉजी, वायरोलॉजी, रेडियोलॉजी के क्षेत्रों में भी रोजगार की संभावनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। इस सभी पाठ्यक्रमों से संबंधित उत्तराखंड में चल रही अलग-अलग प्रयोगशालाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम संयोजक डॉ. राखी डिमरी ने छात्र-छात्राओं के उन्मुखीकरण विकास के बारे में बताया। इसके साथ ही पैथोलॉजी विषय की महत्ता और उपयोगिता के बारे में भी समझाया। प्राचार्य प्रो. जीआर सेमवाल ने बताया कि इस प्रमाण पत्र कार्यक्रम से विज्ञान के छात्र छात्राओं के लिए रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी। छात्र सही दिशा में आगे बढ़े तो सही समय पर रोजगार भी प्राप्त कर सकेंगे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विनोद रावत द्वारा किया गया। इस दौरान शिवांगी, समीक्षा, तानिया, संगीता तोमर, माही, तनु, कुसुम, साधना, मोहित, आनंद, जसवीर, तुषार, डॉ. रुचि सेमवाल, डॉ. योगेश भट्ट, डॉ. आरपी बडोनी, डॉ. माधुरी रावत, डॉ. डीके भाटिया, डॉ. आरएस चौहान, डॉ. दीप्ति बगवाड़ी आदि मौजूद रहे।

बाइक खाई में गिरने से दो लोग घायल

विकासनगर(आरएनएस)। हरिपुर कोटी रोड पर शुक्रवार सुबह एक बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे बाइक में सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। मौके पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाकर दोनों घायालों को सडक़ तक पहुंचाया। जहां से घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। शुक्रवार सुबह करीब 9.40 बजे कालसी पुलिस को सूचना मिली कि हरिपुर कोटी रोड पर लालढांग पुल के पास बने रपटे पर एक बाइक दुर्घटनाग्रस्त होकर नदी किनारे खाई में गिर गयी, जिसमें बाइक सवार दो लोग घायल हो गये। सूचना पर कालसी थाना पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर त्वरित गति से रेस्क्यू अभियान चलाकर दोनों घायलों दीवान सिंह पुत्र इसरू और भभूतिया पुत्र मंगरू दोनों निवासी कसेऊ तहसील कालसी को खाई से निकालकर सडक़ तक पहुंचाया। थानाध्यक्ष कालसी रविंद्र सिंह नेगी ने बताया कि दोनों घायलों को उपचार के लिए एक सौ आठ सेवा से अस्पताल भेज दिया है।

शराब तस्करों के खिलाफ दून पुलिस की कड़ी कार्रवाई, 4 तस्कर दबोचे

■ 10 पेट्टी देशी तथा 2 पेट्टी अंग्रेजी शराब बरामद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 14 अक्तूबर। मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड के विजन ₹ड्रग्स फ्री देवभूमि 2025₹ को साकार करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून अजय सिंह के निर्देशन में दून पुलिस द्वारा कार्रवाई जारी है। थाना डोईवाला और कोतवाली ऋषिकेश में 4 तस्करों को देशी व अंग्रेजी शराब के साथ दबोचा है।

थाना डोईवाला की चौकी जौलीग्रान्ट पुलिस द्वारा 13 अक्तूबर देर रात वाहन चैकिंग के दौरान भानियावाला तिराहा डोईवाला से 3 तस्कर मोहित, अर्जुन, जोगिन्द्र से 10 पेट्टी देशी व 2 पेट्टी अंग्रेजी शराब बरामद की है। टाटा जैस्ट यूके14टीबी4196 से परिवहन करते हुए तीनों को गिरफ्तार किया है। मोहित किर्ती नगर जिला भिवानी हरियाणा व अर्जुन सिहं निवासी सेक्टर - 21 भिवानी थाना सदर जिला हरियाणा , जो

वर्तमान में सहसत्रधारा रोड नियर अमरीश फार्म देहरादून रह रहे थे। जबकि तीसरा आरोपी जोगिन्द्र कलीराम निवासी गैवरीपुर थाना मण्डावर जिला बिजनौर वर्तमान में राजीव नगर थाना नेहरू कालोनी देहरादून में रह रहा था। वहीं ऋषिकेश पुलिस द्वारा अवैध शराब की बिक्री व तस्करी के विरुद्ध की गई कार्यवाही में देहरादून रोड ऋषिकेश से मोटरसाइकिल से 4 पेटी देशी पव्वे देशी शराब की तस्करी करते एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम सूरज चौहान निवासी टांडा उज्जैन काशीपुर, थाना काशीपुर, उधम सिंह नगर है।

विश्व श्वेत छडी सुरक्षा दिवस पर एसएसपी अजय सिंह ने दिव्यांगों का हौसला बढ़ाया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 16 अक्टूबर , ₹विश्व श्वेत छडी सुरक्षा दिवस₹ के अवसर पर राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान देहरादून (N.I.E.P.V.D) में दिव्यांगजनों हेतु आयोजित सुरक्षा, स्वतंत्रता एवं समानता प्रदर्शन कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने उपस्थित सभी दिव्यांगजनों को सम्बोधित करते हुए बताया कि सुरक्षा, स्वतंत्रता एवं समानता केवल दिव्यांगजनों के लिये ही जरूरी नहीं है अपितु सभी नागरिकों के लिये आवश्यक है। दिव्यांगजनों के प्रति समाज के नजरिये में पिछले कुछ समय में काफी सकारात्मक बदलाव देखे गये हैं, पहले उन्हें शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्ति के रूप में देखा जाता था परन्तु कई दिव्यांगजनों द्वारा शारीरिक अक्षमता होने के बाद भी अपनी दृढ इच्छाशक्ति एवं विजन के बल पर विज्ञान, खेल व अन्य क्षेत्रो में उदाहरण स्थापित करते हुए समाज में एक

विश्व श्वेत छड़ी सुरक्षा दिवस पर N.I.E.P.V.D. में एसएसपी की पाठशाला

अलग मुकाम हासिल कर इस मिथक को तोड़ा है। अब उन्हें समाज में डिफ्रेंटली एबल (अलग रूप से सक्षम) व्यक्ति के तौर देखा जाता है। ईश्वर ने प्रत्येक मानव को किसी उद्देश्य तथा विजन के साथ ही इस पृथ्वी पर भेजा है, दृढ इच्छाशक्ति मानव की शारीरिक अक्षमताओं पर विजय प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। बिना विजन का इंसान शारीरिक रूप से पूर्णतः ठीक होने के बाद भी किसी काम का नहीं होता, इसलिये जरूरी है कि हम अपने दृष्टिकोण को सकारात्मक रखते हुए जीवन में आने वाली कठिनाईयों का दृढता से सामना करते

हुए दूसरों के लिये एक उदाहरण प्रस्तुत करें। विश्व में दिव्यांगजनों द्वारा पेश किये गये ऐसे कई उदाहरण आज भी देखने को मिलते हैं। कार्यक्रम के दौरान N.I.E.P.V.D के पदाधिकारियों द्वारा बताया गया कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों में दृष्टिबाधित लोगो के द्वारा प्रयोग की जाने वाली सफेद छड़ी की सुरक्षा और इसके प्रयोग के प्रति जागरूकता बढाना है ताकि दृष्टिबाधित लोगों के सशक्तीकरण हेतु प्रत्येक स्तर पर सुरक्षित अनुकूल वातावरण का निर्माण हो सके। कार्यक्रम के अंत मे एसएसपी देहरादून द्वारा N.I.E.P.V.D से दिव्यांगजनों द्वारा निकाली गयी जागरूकता रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।

कहानी क्रिकेट की, जन्म से जुनून तक का सफ़रनामा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 अक्टूबर , भारत में वर्ल्ड कप 2023 की शुरुआत 5 अक्टूबर से हो गई है, जिसे लेकर भारत और कई देशों के लोगों में काफी उत्सुकता है। और इस उत्सुकता को आप मैच के दौरान स्टेडियम को देखकर महसूस कर सकते हैं। हर जगह वर्ल्ड कप के बारे में ही चर्चा चल रही है। क्रिकेट के दीवाने अपने अपने पसंदीदा प्लेयर को सपोर्ट करने में लगे हुए हैं। अगर आप भी क्रिकेट के फैन हैं तो आपको हमारे इन सवालो के जवाब पता ही होंगे जैसे पहला वर्ल्ड कप कब हुआ ? भारत ने कितनी बार वर्ल्ड कप जीता और वो भी कब कब ? लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया में इतने सारे देश हैं लेकिन विश्व कप में कुछ ही टीमें क्यों खेलती हैं?जापान, चीन, रूस क्यों नहीं खेलते हैं हालाँकि स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और आइसलैंड जो आमतौर पर दुनिया के तीन सबसे विकसित देशों में से है वह भी नहीं खेलते। तो चलिए आज इस खबर में हम आपको ये सारी जानकारी देते हैं।

जिससे आप अपने आप को कह सके की ₹में हूँ असली क्रिकेट लवर₹

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि दुनिया का पहला विश्व कप साल 1975 में इंग्लैंड में खेला गया था और इस विश्व कप में कुल आठ टीमों ने हिस्सा लिया था, जिसके कारण यह टूर्नामेंट 7 जून से 21 जुलाई तक खेला गया था. आपको बता दे उस समय मैच 50 नहीं बल्कि 60 ओवर के होते थे. आजकल आप देखते हैं कि हर देश की अपनी अलग पोशाक होती है, लेकिन उस समय खिलाड़ी सफेद रंग के ही कपड़े पहनते थे। 1975 के पहले विश्व कप जीतने का गौरव हासिल किया वेस्टइंडीज़ ने। भारत को भी विश्व कप जीतने का गौरव हासिल 1983 और 2011 में हुआ पर क्या पता 2023 में भी हो।

अब बात यह आती है की बाकि दुनिया आईसीसी वल्ड विश्व कप का हिस्सा क्यों नहीं है आखिर वो इस विश्व कप में हिस्सा क्यों नहीं लेती तो चलिए जानते है। सबसे पहले बात चीन की करें तो चीन हमेशा से ओलंपिक का समर्थक रहा है और ओलंपिक में होने वाले खेलों के लिए ही वह मेहनत भी करता है। यही वजह है कि चीन के खिलाड़ी हमेशा ओलंपिक में सबसे ज्यादा मेडल जीतते हैं। चूंकि क्रिकेट ओलंपिक का हिस्सा नहीं है, इसलिए यह देश इस खेल को खास तवज्जो नहीं देता है। कुछ ऐसा हे कारण जापान का भी है परंपरागत रूप से, जापान में सूमो को राष्ट्रीय खेल माना जाता है और वहां के लोग क्रिकेट के जगह बेसबॉल को खेलना काफी पसंद करते है।

रूस की मने तो इस समय रूस में भी क्रिकेट खेला जाता था। आपको बता दे 1917 की कम्युनिस्ट क्रांति ने रूस में क्रिकेट के प्रसार को बढ़ावा दिया क्योंकि इसे ₹मध्यम वर्ग₹ की गतिविधि के रूप में देखा गया और इसे खेलने की निंदा की गई। क्रांति के बाद जब अंग्रेज सेंट पीटर्सबर्ग से बाहर चले गए, तो यह खेल उनके साथ तेजी से गायब हो गया।अमेरिका में क्रिकेट के इतिहास की बात करे तो यहाँ के लोग क्रिकेट से मिलता जुलता खेल बेसबॉल को पसंद करते आ रहे है। आपकी जानकारी के लिए बता दे कि अमेरिका में भी ब्रिटिश सामाज्य हुआ करता था इस साम्राज्य से अमेरिका को 1776 ईसवीं में आजादी मिली थी। वहीं क्रिकेट की शुरुआत 18वी सदी में यूनाइटेड स्टेट से हुई थी। आज जितने भी देश क्रिकेट खेलते हैं उनमे कही न कहीं ब्रिटिश राज रहा है इसके अलावा जब अमेरिका में क्रिकेट आया तो उसके मिलते जुलते खेल बेसबॉल से भी प्रतिस्पर्धा मिलना शुरू हो गयी थी। यही कारण रहा कि इस देश में क्रिकेट को कभी भी बड़े स्तर पर खेला नहीं गया है। हालाकि पिछले कुछ सालो से इन देशो में इस खेल की रूचि धीरे धीरे दिखाई दे रही है। तो आशा है आपको यह जानकारी मिल गए होगी की क्यों आईसीसी वर्ल्ड कप में दुनिया की सुपरकंट्री नहीं खेलती क्रिकेट।

बच्चा करता है बैक टॉक, तो सुधारने में ये तरीके आएंगे काम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 अक्टूबर , सभी माता-पिता अपने बच्चों से बेहद प्यार करते हैं। दुनियाभर का लाड़ प्यार उन पर लुटाते हैं। कहते हैं माता-पिता जो बच्चों को सिखाते हैं, बच्चे उसे बहुत जल्दी कैच कर लेते हैं। इन दिनों माता-पिता बच्चों की एक चीज से बहुत परेशान हैं, वो है बच्चे का उल्टा जवाब देना। हालांकि बैक टॉक के पीछे कई कारण हो सकते हैं, लेकिन यदि इस प्रकार का व्यवहार लगातार बना रहे तो यह माता-पिता और बच्चे दोनों के लिए निराशाजनक हो सकता है। तो चलिए जानते हैं जब बच्चा उल्टा जवाब देने लग तो इससे कैसे डील करना चाहिए।

बच्चे क्यों देते हैं उल्टा जवाब ?

वह बताने की कोशिश करता है, कि अब वह बड़ा हो गया है। वह अपने फैसले खुद ले सकता है।

पैरेंट्स और बच्चे के बीच बॉन्डिंग बहुत अच्छी न होने से ऐसा हो सकता है।

बच्चे उल्टा जवाब आमतौर पर तब देते हैं, जब वह किसी बात से बेचैन और दुखी होते हैं।

अपनाएं ये तरीके -

चिल्लाना नहीं है - उन बच्चों के साथ धैर्य रखने की कोशिश करें जो जवाब देने की प्रवृत्ति रखते हैं। समझें कि अगर वे किसी बात को लेकर चिंतित हैं, तो यह उनके लिए खुद को अभिव्यक्त करने का एक तरीका है। अगर आप उन पर चिल्लाते हैं, तो इससे स्थिति और खराब हो जाएगी। इसलिए, सबसे पहले शांत रहें।

अपने बच्चे से इस बारे में बात करें - अगर आपके बच्चे जवाब देते हैं, तो उनसे इस बारे में बात करने की कोशिश करें। हो सकता है कभी-कभी वह दुखी हो। इसलिए वो जो कह रहे हैं, हो सकता है उसका कोई मतलब ही न हो। आपको उन्हें समझने की जरूरत है। आप को उनसे सवाल पूछना चाहिए कि उन्हें क्या परेशानी है। अगर बच्चे का जवाब अपमानजनक है, तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। अगर आप उनकी इस आदत को हल्के में ले रहे हैं, तो वे भविष्य में भी अन्य लोगों के साथ ऐसा व्यवहार करते रहेंगे।

परिणाम से अवगत कराएं -उल्टा जवाब देना बच्चे की आदत बन गई है, तो उन्हें इस प्रकार के व्यवहार के परिणामों के बारे में बताना जरूरी है। ताकि वे समझें कि इसका किसी और के लिए क्या मतलब है। समझाएं कि अगर आपका बच्चा वैसा ही बुरा व्यवहार सबके साथ करता है, तो लोग कैसे रिएक्ट कर सकते हैं। अगर आपको लगता है कि बच्चे ने कुछ अपमानजनक कह दिया है, तो उसे सम्मान पूर्वक माफी मांगने के लिए कहें। उन्हें बताएं कि माफी न मांगने पर इसका प्रभाव आने वाले कल पर पड़ेगा। माता-पिता को बच्चों को दूसरों की भावनाओं का सम्मान करने के महत्व के बारे में सिखाकर उन्हें अच्छा इंसान बनाना चाहिए।

पता लगाएं क्यों कर रहा है ऐसा - आपका बच्चा कभी जवाब नहीं देता था, लेकिन अचानक ऐसा करने लगा है। तो आपको पता लगाना होगा कि क्या वो किसी की बात से आहत हुआ है। क्या उनके दोस्त या सोशल मीडिया उन्हें ऐसा बना रहा है। इससे आपको इनका प्रभाव कम करने में मदद मिलेगी। जब बच्चे आपको उल्टा जवाब देते हैं, तो यह इस बात का संकेत है कि वे बढ़ रहे हैं। इस स्तर पर, माता-पिता को अपने गलत व्यवहार को भी बदलना जरूरी है। यहां बताए गए टिप्स की मदद से आप अपने प्यारे बच्चे के जीवन को आकार दे सकते हैं।

भाजपा की नाकामियां जनता तक पहुंचाएं कांग्रेसी : खंडूरी

ऋषिकेश। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने तैयारियां शुरू कर दी है। शुक्रवार को मुनिकीरेती, ढालवाला में कांग्रेसियों ने बैठक की। कांग्रेस नेता मनीष खंडूरी ने कार्यकर्ताओं से भाजपा सरकार की नाकामियों को जन जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। शुक्रवार को नगर पालिका मुनिकीरेती ढालवाला में पूर्व लोकसभा प्रत्याशी मनीष खंडूरी ने कार्यकर्ताओं संग बैठक की। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के मध्य नजर सभी कांग्रेस कार्यकर्ता एकजुट होकर पार्टी को जीताने का काम करें। पार्टी संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने के साथ अपने साथ युवाओं एवं महिलाओं को जोडने का काम करना चाहिए। पूरे देश में भाजपा की सरकार ने युवाओं के साथ छलावा किया। महिलाओं के साथ पूरे देश में अत्याचार की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में प्रत्येक कांग्रेस कार्यकर्ता को घर-घर जाकर भाजपा की नाकामियों के बारे में लोगों को बताना चाहिए। जिलाध्यक्ष उत्तम सिंह असवाल ने कहा कि पार्टी संगठन बूथ स्तर पर काम कर रहा है। नरेंद्रनगर विधानसभा की 170 बूथों पर बूथ अध्यक्षों के चयन के साथ-साथ मंडल अध्यक्षों एवं प्रकोष्ठों में संगठन को मजबूत करने के लिए जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। जिसका परिणाम 2024 के लोकसभा चुनाव में देखने को मिलेगा। मौके पर वीरेंद्र कंडारी, दिनेश व्यास, भास्कर गैरोला, महावीर खरोला, आशीष रानाकोटी, सुनील आर्य, दिनेश भट्ट, सचिन सेलवान, अभिषेक भट्ट, अजय रमोला, सुमन नैथानी, प्रमिला विजल्वान, सरस्वती जोशी, बंदना नेगी, प्यारी देवी, नवीन भंडारी, पूर्ण सिंह भंडारी, प्रमोद कुमार, दयाल सिंह भंडारी, पूर्ण पुंडीर, विनोद सकलानी, राजेंद्र गुसाईं, किशोर रावत, राधे श्याम शर्मा, सर्वेंद्र कंडियाल, शिवम भट्ट, सुरेंद्र भंडारी, टंकी सिंह नेगी, मनवीर नेगी, राजवीर भंडारी आदि उपस्थित रहे।

उत्तराखंड संस्कृति विभाग को मिला वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड का अवार्ड

पिथौरागढ़। उत्तराखंड संस्कृति विभाग को समुद्रतल से 5 हजार 338 फीट ऊंचाई पर बसे सीमांत में 2700 छोलिया दलों के एकसाथ प्रस्तुति पर वल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड का अवार्ड मिला है। इससे लोक संस्कृति से जुड़े स्थानीय लोगों में खुशी है। उनका कहना है कि यह प्रदेश के लिए गौरव की बात है। नगर के एपीएस स्थित खेल मैदान में संस्कृति विभाग की ओर से बीते 11अक्तूबर को एक कार्यक्रम हुआ। इस दौरान सीमांत के साथ ही अन्य जनपदों से आए लोक कलाकारों ने छोलिया नृत्य की वेशभूषा पहनकर हिस्सा तुरी, राणा सिंघा, नागफनी, छोलिया, ढाल और तलवार जैसे अन्य नृत्य रूपों का प्रदर्शन किया। संग्रहालय के अध्यक्ष डॉ. सीएस चौहान ने बताया कि हिमालय पर्वत श्रृंखला की पृष्ठभूमि में इतनी ऊंचाई पर इस तरह का यह पहला कार्यक्रम है। इसे देखते हुए विभाग को वल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड का अवार्ड मिला है। बताया कि बंगलुरू से आयी विश्व रिकॉर्ड कोऑर्डिनेटर शैलजा श्रीकांत ने उन्हें प्रशस्त्रि पत्र देकर सम्मानित किया। चौहान ने इस उपलब्धि के लिए संस्कृति विभाग की निदेशक बीना भट्ट को श्रेय दिया है।